मार्च-अप्रैल 2024 ■ वर्ष : 69 ■ अंक 6-7 ■ पृष्ठ: 498 ■ मूल्य : ₹ 200

अहिंसक - नैतिक चेतना का प्रवर प्रतिनिधि

अणुव्रत

संयमः खलु जीवनम्
संयम ही जीवन है।

75
1949 - 2024

अणुव्रत आंदोलन

अणुव्रत अमृत विशेषांक

75

1949 - 2024

अणुव्रत आंदोलन

भाग-8

अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष

एक विहंगावलोकन

अणुव्रत अमृत महोत्सव की आयोजना अपने आप में एक वृहद् और विस्तृत कार्यक्रमों का खूबसूरत समागम बन गया। अणुव्रत आंदोलन के स्थापना दिवस फुलड़िया दूज के नाम से प्रसिद्ध फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया - 21 फरवरी 2023 से प्रारम्भ हो कर 12 मार्च 2024 को सम्पन्न हुए पूरे वर्ष में अनेकानेक रचनात्मक अणुव्रत प्रकल्पों की धूम से यह महोत्सव गुँजायमान होता रहा। अणुव्रत आंदोलन, अणुव्रत संस्थाओं और अणुव्रत कार्यकर्ताओं को मिला अणुव्रत अनुशास्ता का अतुल आशीर्वाद महोत्सव की सफलता का आधार बन गया। अणुव्रत अमृत महोत्सव के सम्पूर्ण उपक्रम की झलकियाँ इस प्रखंड में प्रस्तुत की जा रही हैं।

Special Offer for Last 15 Units

PAY
20% : 80%
NOW   ON POSSESSION

FIT OUT WITHIN 6 MONTHS

Office Sizes Ranging From 570 Sqft to 5310 Sqft

NO FLOOR RISE*

INVESTMENT STARTS AT ₹89 Lacs* Onwards

OFFICES AVAILABLE FOR SALE & LEASE
CONTACT US FOR MORE DETAILS

Jayantilal K. Jain (Barlota)
Thane Mumbai

KONAR
BUSINESS PARK

The Vertical Business District

Wagle Estate | Thane

DV
DIVIT VENTURES

8877 42 1111
8877 43 1111

Site Address: Plot No. A- 290/291, Road No. 16 Z, Wagle Estate, Thane West - 400 604

Konar Business Park MahaRERA registration no. P51700031312.

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष

(21 फरवरी 2023 से 12 मार्च 2024)

परिकल्पना, आशीर्वाद और क्रियान्वयन

एक विहंगावलोकन

अणुव्रत आंदोलन की 75 वर्षों की यशस्वी यात्रा का एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण पड़ाव है - अणुव्रत अमृत महोत्सव। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण के विरल आध्यात्मिक नेतृत्व व मार्गदर्शन में इसकी पटकथा 5 वर्ष पूर्व तब लिख दी गयी थी, जब अणुव्रत की विभिन्न प्रवृत्तियों को एक मंच और एक छत प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। इस दूरदर्शी निर्णय के बाद अणुव्रत आंदोलन एक नये और निखरे स्वरूप में सबके सामने प्रस्तुत हुआ और अणुव्रत महोत्सव की सुविचारित पृष्ठभूमि तैयार हुई।

अणुविभा के संक्षिप्त नाम से लोकप्रिय संस्था अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी इस आंदोलन की केंद्रीय प्रतिनिधि संस्था के रूप में उभरी। संयुक्त राष्ट्र संघ के सिविल सोसायटी विभाग से सम्बद्ध अणुविभा की शांति व अहिंसा के क्षेत्र में कार्यरत एक वैश्विक संस्था के रूप में व्यापक पहचान है। अणुविभा के नेतृत्व में भारत व नेपाल में सक्रिय 200 से अधिक अणुव्रत समितियों तथा अणुव्रत मंचों का नेटवर्क हजारों अणुव्रत कार्यकर्ताओं को साथ लेकर अणुव्रत रूपी इस मानव-धर्म की आवाज को अनुगूँजित कर रहा है।

अमृत महोत्सव की योजना पर कल्याण परिषद् में हुई प्रारंभिक चर्चा के बाद इसके नामकरण, लोगो, उद्देश्य सहित अनेक कार्यक्रमों को स्वीकृत किया गया। योजना को अंतिम रूप देने में निर्णायक और महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब आचार्य प्रवर ने स्वयं 9, 10 व 11 दिसम्बर, 2022 - तीन दिन का विशेष समय प्रदान किया और अणुविभा टीम को बुला कर, एक-एक प्रस्तावित कार्यक्रम पर चिंतन-मनन

कर अणुव्रत अमृत महोत्सव की योजना को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। अणुव्रत अमृत महोत्सव की सफलता हेतु अपना आशीर्वाद प्रदान करने के साथ ही अध्यक्ष श्री अविनाश नाहर की अनुशंसा पर अणुव्रत अनुशास्ता ने अणुविभा के निवर्तमान अध्यक्ष श्री संचय जैन को अणुव्रत अमृत महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में मंगल पाठ सुनाकर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इसी के साथ अणुव्रत अमृत महोत्सव कोर टीम का गठन कर क्रियान्विति की दिशा में कदम बढ़ा दिए गए।

अणुव्रत अमृत महोत्सव का श्रीगणेश 21 फरवरी 2023 (फुलड़िया दूज - फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया) को अणुव्रत स्थापना दिवस समारोह के दिन गुजरात के एक छोटे से गाँव खेरोज में अणुव्रत अनुशास्ता के पावन सान्निध्य में हुआ। अणुव्रत अनुशास्ता ने प्रातः 11 बज कर 11 मिनट पर स्वयं अपने श्रीमुख से अमृत महोत्सव वर्ष के शुभारम्भ की घोषणा की। यह एक दुर्लभ प्रसंग था। इसी कार्यक्रम में आचार्य प्रवर ने अपनी एक वर्ष की यात्रा को "अणुव्रत यात्रा" घोषित कर हजारों-हजारों अणुव्रत कार्यकर्ताओं को उत्साह से भर दिया। यह निर्णय आचार्य प्रवर ने साध्वीप्रमुखाजी, साध्वीवर्याजी, मुख्यमुनि प्रवर एवं अन्य प्रमुख चारित्रात्माओं के साथ मंच पर ही राय-मशविरा कर के लिया और जनमेदिनी की करतल ध्वनि के बीच घोषणा कर दी। इन दोनों दुर्लभ प्रसंगों के साथ हुई अणुव्रत अमृत महोत्सव की शुभ शुरुआत इसकी सफलता की कहानी स्वतः लिख रही थी।

अणुव्रत अमृत महोत्सव की समग्र कार्ययोजना को विस्तृत स्वरूप दे कर अमृत महोत्सव के विशिष्ट प्रकल्पों सहित अणुव्रत के नियमित प्रकल्पों के सफल क्रियान्वयन की दृष्टि से लगभग 50 संयोजकों का मनोनयन किया गया एवं इनके साथ संवाद-बैठकें आयोजित कर योजनाओं को अमली जामा पहनाने का क्रम प्रारम्भ हुआ जो अनवरत चलता रहा। आचार्य प्रवर द्वारा आशीर्वाद प्राप्त अणुव्रत अमृत महोत्सव कार्ययोजना को एक पुस्तिका का आकार देते हुए इसे पूरे देश में प्रसारित किया गया। इसी बीच जून में अणुव्रत समितियों के द्विवार्षिक चुनाव का क्रम सामने आ गया लेकिन महत्वपूर्ण कार्यक्रम रुके नहीं, अनवरत चलते रहे। यह अणुव्रत कार्यकर्ताओं के समर्पण भाव का स्पष्ट परिचायक था।

अणुव्रत समितियों के नये अध्यक्ष एवं उनकी टीम दायित्व संभालने के साथ ही पूरी ताकत के साथ अणुव्रत अभियान को गतिमान बनाने में जुट गये। अनेक समितियाँ जो अभी तक सुषुप्त थीं, सक्रिय होकर मैदान में उतर गयीं। अणुव्रत समितियों व मंचों से जुड़े हजारों अणुव्रत कार्यकर्ता जिस प्रकार पूरे वर्ष पर्यन्त जुनून के साथ अणुव्रत प्रकल्पों के क्रियान्वयन में जुटे रहे, व सात्विक गौरव देने वाला अनुभव था। इस कार्य में अणुविभा अध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष के मार्गदर्शन में अणुविभा की केंद्रीय टीम, विशेषतः उपाध्यक्षों, संगठन मंत्रियों और राज्य प्रभारियों ने अहम भूमिका निभायी।

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी के अपूर्व आशीर्वाद ने और अणुव्रत के कार्यक्रमों के प्रति आपकी आत्मीय रुचिशीलता ने कार्यकर्ताओं के उत्साह को सदैव ऊँचा बनाए रखा। साध्वीप्रमुखा श्री विश्रुतविभाजी, मुख्यमुनिप्रवर श्री महावीरकुमारजी और साध्वीवर्या श्री सम्बुद्धयशाजी का मार्गदर्शन सब के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहा। अणुव्रत के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री मननकुमार

जी ने हर कार्यक्रम और हर कार्यकर्ता को सदैव अपना उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। मुनिश्री डॉ. अभिजीतकुमारजी ने नशामुक्ति के 'एलिवेट' कार्यक्रम को और मुनिश्री जागृतकुमारजी ने 'अणुव्रत डिजिटल डिटॉक्स' को अपना महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। अणुव्रत अमृत महोत्सव की सफलता में केंद्र सहित देश के विभिन्न भागों में प्रवासरत साधु-साध्वीवृन्द व समणीवृन्द का मार्गदर्शन, सान्निध्य व श्रम भी अत्यंत योगभूत बना है। अणुविभा परिवार आप सब के प्रति हार्दिक कृतज्ञता के भाव व्यक्त करता है।

उदार दानदाताओं के सहयोग के बिना इस वृहद् आयोजन की कल्पना संभव नहीं थी, सबके प्रति हृदय से आभार। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री प्रताप दुगड़ ने अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट व पर्यावरण जागरुकता अभियान में, उपाध्यक्ष श्री राजेश सुराणा ने अणुव्रत गीत महासंगान व चुनाव शुद्धि अभियान में, उपाध्यक्ष श्री विनोद कोठारी ने अणुव्रत बालोदय किडजोन व अणुव्रत अधिवेशन में तथा उपाध्यक्ष श्रीमती माला कातरेला ने जीवन विज्ञान प्रकल्प में प्रभारी उपाध्यक्ष के रूप में विशेष भूमिका निभाई। अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन की आयोजना में प्रबंध न्यासी श्री तेजकरण सुराणा, समन्वयक डॉ. सोहनलाल गांधी व अंतरराष्ट्रीय संगठन मंत्रियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। अणुव्रत गीत महासंगान के विराट आयोजन में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् एवं अणुव्रत समिति, ग्रेटर सूरत का योगदान विशेष उल्लेखनीय रहा। अणुव्रत विषयक विभिन्न डॉक्यूमेंट्री के निर्माण में श्री ललित छाजेड़ (मुम्बई) का महत्वपूर्ण योगदान मिला। प्रकल्प संयोजकों के साथ संवाद स्थापित करने में श्री क्षितिज व्यास (उदयपुर) ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। अणुविभा के राजसमंद, दिल्ली, जयपुर व लाडनूं कार्यालयों सहित शिविर कार्यालय में कार्यरत कार्यकर्ताओं ने पूर्ण समर्पित भाव से कार्यों को सम्पादित कर टीम व मिशन भाव का परिचय दिया। अणुव्रत आंदोलन के इस ऐतिहासिक आयोजन "अणुव्रत अमृत महोत्सव" की सफलता में मिले प्रत्येक सकारात्मक सहयोग के प्रति हम नत-मस्तक हैं।

अविनाश नाहर
अध्यक्ष

भीखम सुराणा
महामंत्री

संचय जैन
राष्ट्रीय संयोजक
अणुव्रत अमृत महोत्सव

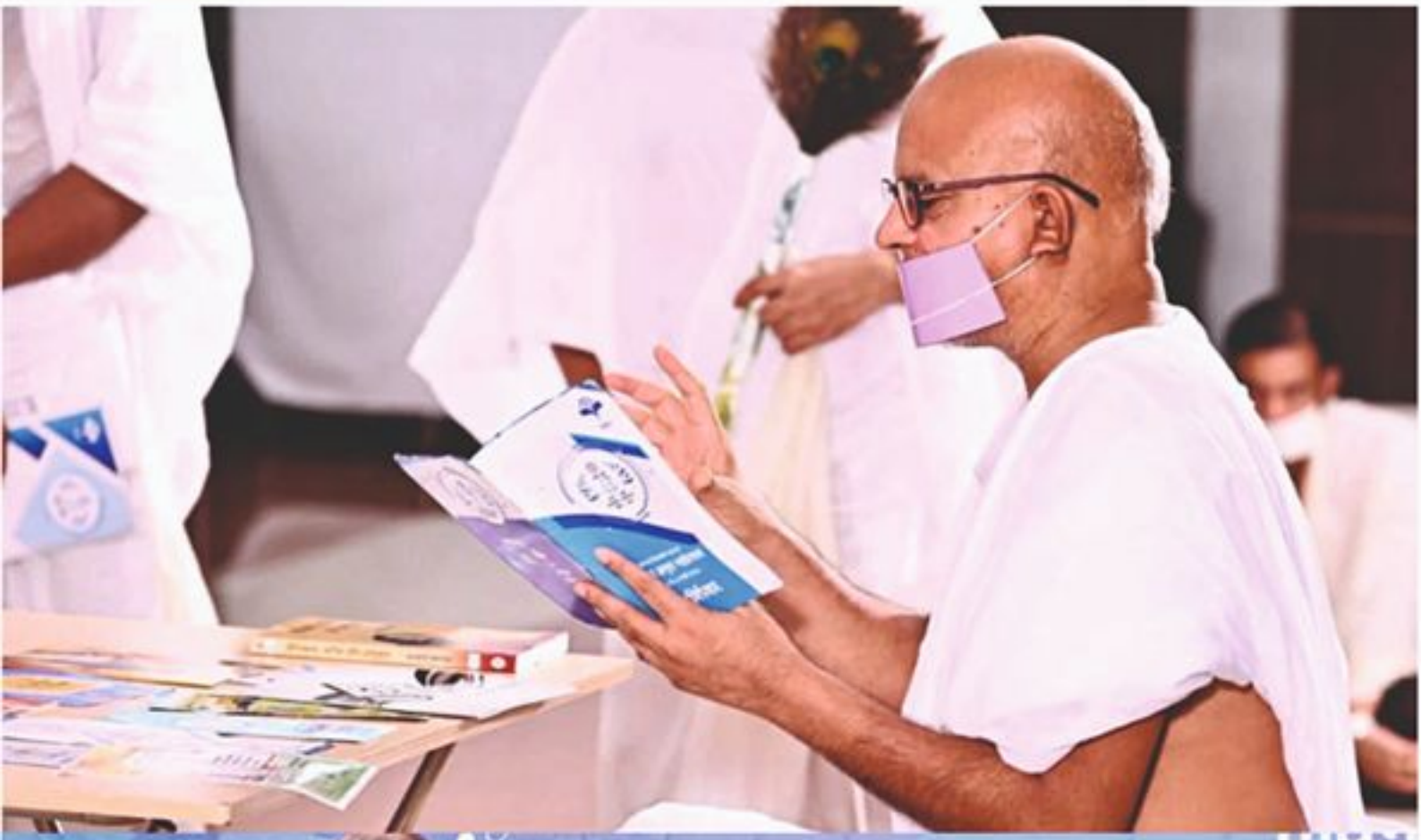

अणुव्रत अनुशास्ता
फाल्गुन शुक्ल द्वि
अणुविभा

अणुव्रत आंदोलन के
रवशाली 75 वर्ष
शुभारम्भ
अणुव्रत अमृत महोत्सव
पावन सान्निध्य
अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण
फाल्गुन शुक्ल द्वितीया 21 फरवरी 2023
अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी
75
अणुव्रत आंदोलन

अणुव्रत अमृत रैली

अणुव्रत आंदोलन के
गौरवशाली 75 वर्ष
शुभारम्भ
अणुव्रत अमृत महोत्सव
अणुव्रत अमृत रैली
अणुव्रत समिति, नगांव, असम

75
अणुव्रत अमृत महोत्सव
अणुव्रत यात्रा

का मुंबई
भव्य
नंदन समारोह

अणुव्रत अमृत वर्ष के 51 अणुव्रत प्रकल्प

1. अणुव्रत अमृत महोत्सव शुभारम्भ समारोह

अणुव्रत अमृत महोत्सव का श्रीगणेश 21 फरवरी 2023 को अणुव्रत स्थापना दिवस समारोह के दिन गुजरात के एक छोटे से गाँव खेरोज में अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सान्निध्य में हुआ। अणुव्रत अनुशास्ता ने प्रातः 11 बज कर 11 मिनट पर स्वयं अपने श्रीमुख से अमृत महोत्सव वर्ष के शुभारम्भ की घोषणा की। इसी कार्यक्रम में आचार्य प्रवर ने अपनी एक वर्ष की यात्रा को "अणुव्रत यात्रा" घोषित कर हजारों-हजारों अणुव्रत कार्यकर्ताओं को उत्साह से भर दिया। इन दोनों दुर्लभ प्रसंगों के साथ हुई अणुव्रत अमृत महोत्सव की शुभ शुरुआत इसकी सफलता की कहानी स्वतः लिख रही थी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में देशभर से समागत अणुव्रत कार्यकर्ताओं ने "अणुव्रत अमृत रैली" भी निकाली एवं सामूहिक गीत की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम के सह-संयोजक का दायित्व श्री राकेश चौरड़िया, सूरत व खेडब्रह्मा अणुव्रत समिति ने सँभाला।

संयोजक : श्री राजेश सुराणा, सूरत

2. अणुव्रत यात्रा में सहभागिता

अणुव्रत अमृत महोत्सव की शुरुआत के साथ ही प्रारम्भ हुई अणुव्रत अनुशास्ता की "अणुव्रत यात्रा" में अणुव्रत कार्यकर्ताओं की सहभागिता का निर्णय लिया गया। एक टेम्पो-ट्रैवलर मिनी बस क्रय कर इसे प्रचारात्मक साधन-सामग्री से सुसज्जित किया गया। अणुविभा व अणुव्रत समितियों के कार्यकर्ताओं का दल अणुव्रत यात्रा के साथ चलते हुए आगामी पड़ावों पर पहुँच कर जनता से संपर्क करता, उन्हें फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, पैम्फलेट, गीत आदि के माध्यम से अणुव्रत के दर्शन से परिचित कराता और अणुव्रत यात्रा के त्रिसूत्रीय संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता। आचार्य प्रवर अपनी पदयात्रा के दौरान जब इन क्षेत्रों से गुजरते तो सड़क के किनारे खड़े अणुव्रत कार्यकर्ताओं को देख रुक जाते और वहाँ एकत्र ग्रामीण जनता से संवाद करते, उनसे सद्भावना, नैतिकता और नशामुक्ति के बारे में पूछते और उनकी सहमति प्राप्त होने पर उन्हें संकल्प दिलाते। एक दिन में 2-3 तो कभी 4-4 जगह रुकने का क्रम बन जाता। अनेक विद्यालयों के बच्चे व शिक्षक स्कूल से बाहर आकर आचार्यश्री के दर्शन करते और आशीर्वाद प्राप्त करते। अहमदाबाद से प्रारम्भ यह क्रम निरंतर चलता रहा। इस माध्यम से हजारों-हजारों व्यक्तियों ने जीवन भर के लिए व्यसन मुक्त रहने का संकल्प लिया। पूज्य प्रवर की करुणा एवं वत्सलता से कार्यकर्ता भी अभिभूत हो जाते और ऊर्जा से भर जाते। फोर्स-ट्रैवलर मिनी बस सौजन्यकर्ता के रूप में श्री कैलाश बोराणा, बेंगलुरु व श्री बद्रीलाल जैन पितलिया तथा टोयोटा-इनोवा कार के सौजन्यकर्ता के रूप में श्री गौतमचंद सेठिया, बेंगलुरु का महत्वपूर्ण अर्थ सहयोग इस प्रकल्प को प्राप्त हुआ।

संयोजक : श्री अनिल समदड़िया, सूरत

3. अणुव्रत अमृत रैली व अणुव्रत प्रेस वार्ता

21 फरवरी 2023 को अणुव्रत अमृत महोत्सव का विधिवत शुभारम्भ हुआ। इस दिन देशभर में अणुव्रत अमृत रैलियाँ निकाली गईं। अणुव्रत समितियों ने उत्साह से इसमें भाग लिया और 108 से अधिक स्थानों पर उत्साहपूर्ण आयोजन हुए। इन रैलियों में शामिल लोगों के हाथों में उड़िया, तमिल, तेलगू, बांग्ला, नेपाली, असमी, गुजराती, पंजाबी, उर्दू, हिन्दी, अंग्रेजी आदि भाषाओं में सजी तख्तियाँ विशेष प्रभाव पैदा कर रही थीं।

अणुव्रत अमृत महोत्सव की शुरुआत के साथ ही रैली के साथ-साथ अनेक स्थानों पर प्रेस-वार्ताएं आयोजित कर जनता को इस उपक्रम से परिचित कराया गया। प्रेस व जनता को वितरण करने हेतु एक पुस्तिका प्रकाशित कर समितियों को प्रेषित की गई जिसमें अमृत महोत्सव के अंतर्गत चलाए जाने वाले व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण और कार्यकर्ता निर्माण को लक्षित विभिन्न अणुव्रत प्रकल्पों की जानकारी दी गई थी। प्रिंट, सोशल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में व्यापक प्रसारण से अणुव्रत के सन्देश को जन-जन तक पहुँचाने में सहयोग मिला।

संयोजक : डॉ. कुसुम लुनिया, नयी दिल्ली

4. अणुव्रत गीत महासंगान

अणुव्रत प्रवर्तक आचार्य तुलसी द्वारा रचित 'अणुव्रत गीत' अणुव्रत के दर्शन को बखूबी प्रतिबिम्बित करता है। इस गीत के माध्यम से अणुव्रत की चेतना को प्रभावी तरीके से प्रचारित व प्रसारित करने के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए 18 जनवरी 2024 का दिन 'अणुव्रत गीत महासंगान' के वृहद् आयोजन हेतु निर्धारित किया गया। इस दिन भारत के विभिन्न शहरों व कस्बों एवं विदेशों में एक ही दिन लाखों-लाखों लोगों ने अणुव्रत गीत का संगान कर एक नया इतिहास रच दिया। अणुव्रत समितियों के साथ-साथ अन्य संस्थाओं व संगठनों को भी इस मुहिम के साथ जोड़ा गया। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् इस कार्यक्रम की राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी संस्था बनी। अणुविभा के शीर्ष पदाधिकारियों की उपस्थिति में इस सम्पूर्ण प्रकल्प की सफल संयोजना हेतु सिटीलाइट भवन, सूरत में इस प्रकल्प के समन्वय कक्ष का उद्घाटन किया गया। अणुव्रत समिति ग्रेटर सूरत ने अपनी टीम को इस कार्य हेतु समर्पित कर दिया। अणुव्रत गीत महासंगान की सम्पूर्ण जानकारी व कार्यकारी दिशा निर्देशों के साथ आठ पेज का फोल्डर, स्टिकर, पोस्टर, रिंगटोन आदि प्रचार सामग्री देशभर में भेजी गई। अणुव्रत समितियों, अणुव्रत मंचों व युवक परिषदों ने इस कार्यक्रम

वीतराग समवसर
महाश्रमण

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

"अणुव्रत गीत महासंगान"
लोकार्पण
आचार्य श्री महाश्रमण

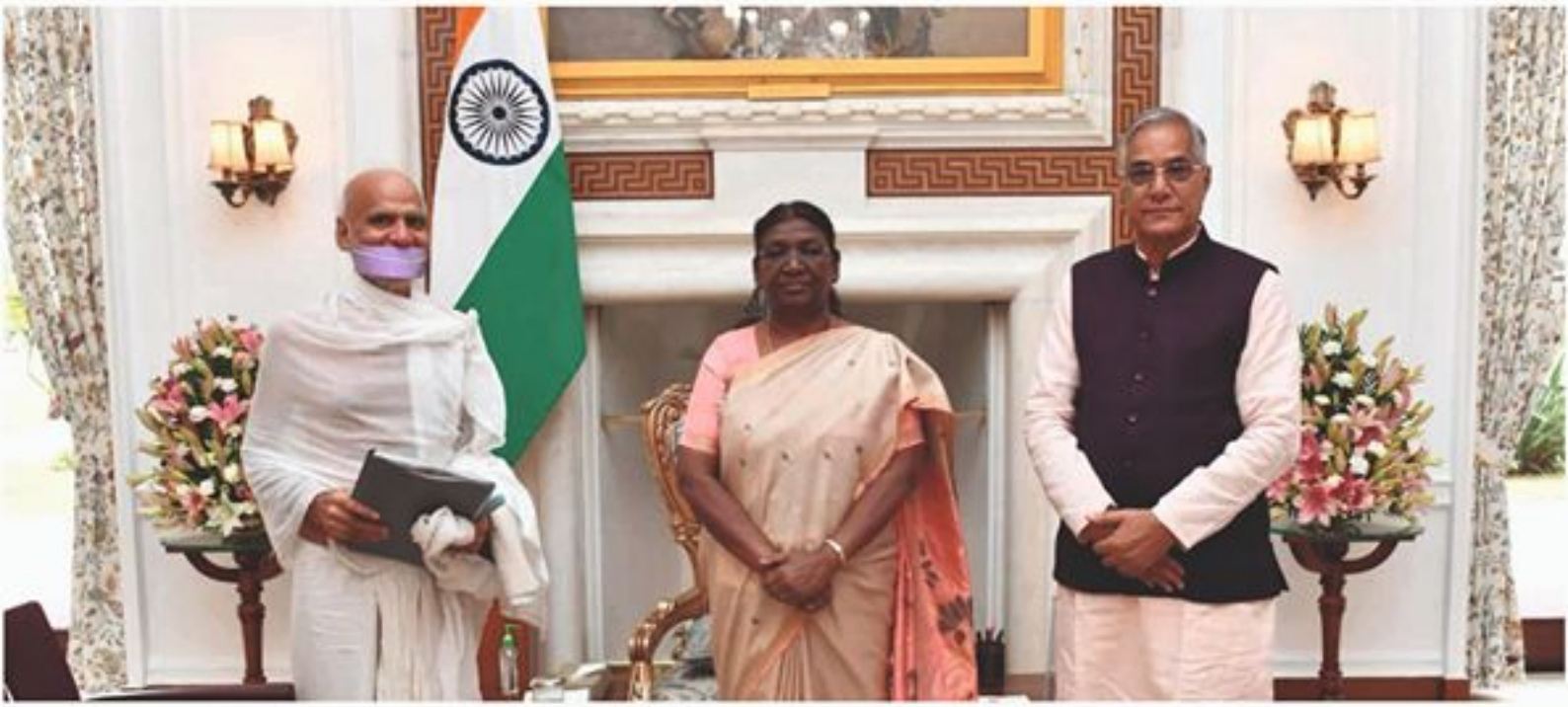

लोकतंत्र और अणुव्रत
अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी

अणुव्रत अमृत महोत्सव के अन्तर्गत
अणुव्रत सेमिनार
राज्यस्तरीय
सान्निध्य: युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी
के सुशिष्य मुनिश्री जिनेश कुमार जी ठाणा - 3
मुख्य अतिथि : श्री गुलाब चंदजी कटारिया
विषय : आजाद भारत की प्रगति में अणुव्रत का योगदान
13 अगस्त 2023 रविवार | दोपहर 2.30 बजे से | कला मंदिर
आयोजक : अणुव्रत समिति, कोलकाता

लाब चंदजी कटारिया

ज्योतिपुंज समवसरण

अणुव्रत समिति

हेतु संयोजकों की नियुक्ति कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया। राजस्थान, गुजरात, उत्तरप्रदेश सहित अनेक राज्यों में शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर स्कूलों में अणुव्रत गीत का संगान सुनिश्चित किया। राजस्थान व गुजरात की जेलों में प्रशासनिक आदेश के तहत यह कार्यक्रम हुआ। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान ने देशभर में संचालित अपने 20 हजार से अधिक स्कूलों में यह आदेश जारी किया कि विद्यार्थी इस गीत को कंठस्थ कर 18 जनवरी 2024 को सामूहिक संगान करें। विभिन्न राज्यों की भाषा की कठिनाई देखते हुए अणुव्रत गीत का 13 भाषाओं में लिप्यांतरण कर उपलब्ध कराया गया। अणुव्रत गीत के ऑडियो, वीडियो और परिचायक डाक्यूमेंट्री का वृहद् स्तर पर प्रचार हुआ। देश के ख्यातनाम लोगों ने अणुव्रत गीत की तारीफ करते हुए इसके समर्थन में अपने सन्देश प्रदान किए। कई देशों से भी अणुव्रत संगान के समाचार प्राप्त हुए। महासंगान का यह आयोजन अणुव्रत का सिंहनाद सिद्ध हुआ और अणुव्रत कार्यकर्ताओं की कर्मजा शक्ति का परिचायक भी।

संयोजक : अणुविभा केन्द्रीय समन्वय कक्ष, सूरत

5. अणुव्रत संसदीय मंच

मुनिश्री कमलकुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल ने राष्ट्रपति भवन में 28 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात की और अणुव्रत अमृत महोत्सव के दौरान हो रही गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। राष्ट्रपति जी ने अणुव्रत अनुशास्ता के साथ अपनी पूर्व मुलाक़ात को याद कर उन्हें एक महान पुण्यात्मा बताया। आचार्य श्री महाश्रमण जी की अणुव्रत यात्रा के बारे में जानकर भी उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। अणुव्रत संसदीय मंच अणुव्रत आंदोलन का कई दशकों से एक महत्वपूर्ण प्रकल्प रहा है। अमृत वर्ष में 8 फरवरी 2024 को दिल्ली के संसद परिसर में 'संविधान सदन कक्ष' में सांसद संगोष्ठी का आयोजन एक विशिष्ट उपलब्धि रही। "राजनीति का आकाश और अणुव्रत" विषयक इस संगोष्ठी में साध्वी श्री अणिमाश्री का सान्निध्य प्राप्त हुआ। अणुविभा के शीर्ष नेतृत्व के साथ ही विभिन्न संस्थाओं के गणमान्य व्यक्ति संगोष्ठी में उपस्थित थे। संगोष्ठी में केंद्रीय राज्यमंत्री प्रतिभा भौमिक, इंदौर के सांसद शंकरलाल लालवानी, जम्मू कश्मीर के जुगल किशोर, वडोदरा की रंजना भट्ट, जयपुर के रामचरण बोहरा, सिरसा की सुनीता दुग्गल, मेरठ के राजेन्द्र अग्रवाल, कर्नाटक के लहरसिंह सिरोया, मेहसाणा की शांता बहन आदि ने अणुव्रत संसदीय मंच की सराहना करते हुए संयम, अपरिग्रह, नैतिकता, सत्य, अहिंसा के मूल मंत्रों को अंगीकार करने के साथ ही युवा पीढ़ी में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती में अणुव्रत के योगदान की दृष्टि से यह संगोष्ठी अत्यंत उपयोगी व सकारात्मक परिणामों वाली रही।

संयोजक : श्री अर्जुनराम मेघवाल, नई दिल्ली

6. चुनाव शुद्धि अभियान

अमृत वर्ष के दरमियान गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में विधानसभा के चुनाव हुए। अणुविभा के निर्देशन में इन राज्यों में अणुव्रत समितियों ने चुनाव शुद्धि अभियान को गति प्रदान की एवं मतदाताओं में चुनाव के प्रति जागरुकता पैदा की। अनेक अणुव्रत समितियों ने चुनाव शुद्धि अभियान में अपना सहयोग दर्ज करवाया। राजनीतिक पार्टियों के कार्यालय में जाकर तथा उनके उम्मीदवारों से मिलकर अणुव्रत की आचार संहिता एवं प्रत्याशी अणुव्रत के बारे में जानकारी दी। समितियों ने अपने-अपने क्षेत्र में चुनाव शुद्धि अभियान के बैनर, होर्डिंग स्टिकर आदि लगाए एवं ऑटो रिक्शा के पीछे स्लोगन लगवाये। चुनाव शुद्धि अभियान की प्रचार सामग्री विभिन्न स्थानीय भाषाओं में तैयार कर समितियों को उपलब्ध कराई गई। इस कार्य में सह-संयोजक श्री राकेश चौरड़िया एवं विभिन्न आंचलिक प्रभारियों का निरन्तर सहयोग प्राप्त हुआ। चुनाव शुद्धि अभियान के संचालन में श्री राजकरण मनीष दफ्तरी, किशनगंज का अर्थ सौजन्य महत्वपूर्ण रहा।

संयोजक : श्री राजकरण दफ्तरी, किशनगंज

7. जनप्रतिनिधि सम्मलेन एवं राज्य स्तरीय आयोजन

अणुव्रत अमृत महोत्सव के उपलक्ष में विभिन्न राज्यों की राजधानी में अणुव्रत समितियों द्वारा राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इनमें उल्लेखनीय नाम हैं - कोलकाता, गुवाहाटी, चंडीगढ़, मुंबई, सूरत, दिल्ली समिति आदि। कार्यक्रमों में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री आदि विशिष्ट महानुभावों की सहभागिता रही। दिल्ली विधानसभा में भी विधानसभा अध्यक्ष श्री रामनिवास गोयल के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कोलकाता के कलामंदिर सभागार में 13 अगस्त 2023 को असम के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया के मुख्य आतिथ्य और मुनिश्री जिनेशकुमार के सान्निध्य में गरिमामय समारोह आयोजित हुआ। बेंगलुरू में आयोजित समारोह में कर्नाटक के शिक्षामंत्री श्री बी सी नागेश ने राज्य में जीवन विज्ञान का ऑनलाइन पाठ्यक्रम लागू किया।

संयोजक : श्री बाबूलाल दुगड़, दिल्ली व श्री कुलदीप सुराणा, लुधियाना

8. अणुव्रत ग्लोबल

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी संयुक्त राष्ट्र संघ के सिविल सोसायटी विभाग से संबद्ध वैश्विक संगठन है। गत तीन दशकों में दस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से अणुविभा ने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनायी है। लगभग 40 देशों में शांति व अहिंसा के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं व व्यक्तियों का नेटवर्क स्थापित हुआ। अणुव्रत अमृत महोत्सव के उपलक्ष में 11वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 13 से 16 फरवरी 2024 को वेबीनार (ऑनलाइन) के रूप में किया गया जिसमें 10 देश के 44 विद्वान वक्ताओं ने अहिंसा के विभिन्न पक्षों पर सारगर्भित वक्तव्य प्रस्तुत

SAY NO TO DRUGS
SAY NO TO DRUGS

ELEVATE

Anuvrat Vishva Bharati Society
presents
ELEVATE
EXPERIENCE THE REAL HIGH
Say Yes to Life, No to Drugs
Proud to be
#DrugFree
Anuvrat Anushasta
Acharya Shri Mahashraman Ji
Supported By

ELEVATE
Say Yes to Life, No to Drugs
ANUVRAT VISHVA BHARATI SOCIETY
ELEVATE
SAY YES TO LIFE - NO TO DRUGS

Anuvrat Vishva Bharati Society
presents
LEVATE
ERIENCE THE REAL HIGH
Yes to Life, No to Drugs

ELEVATE

Anuvrat Vishva Bharati Society
Presents
Anuvrat
Digital
Detox
ADD Value to Life!
Anuvrat Anushasta Acharya Shri Mahashramanji

किए। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी ने इस अवसर पर अपने विशेष उद्‌बोधन (रिकार्डेड वीडियो) में युद्ध से त्रस्त विश्व में अहिंसा की आवश्यकता पर बल दिया और इसमें अणुव्रत दर्शन की विशिष्ट भूमिका को रेखांकित किया। सम्मेलन का विषय था- केवल अहिंसा से ही विश्व शांति और पर्यावरणीय स्थिरता संभव। अणुविभा अध्यक्ष अविनाश नाहर के साथ ही अंतरराष्ट्रीय समन्वयक डॉ. सोहनलाल गांधी व प्रबंध न्यासी श्री तेजकरण सुराणा के नेतृत्व में सम्मलेन की सम्पूर्ण संयोजना की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रतिनिधि के रूप में फिलिपे क्रिपो की सम्मलेन में सहभागिता महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। वर्ष 2023 का "अणुव्रत अहिंसा अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार" 30 जनवरी 2024 को मुंबई में तुर्किये-अमेरिका की शांतिविद् व एक्टिविस्ट बिरजान अनवर को अणुव्रत अनुशास्ता की सन्निधि में प्रदान किया गया। अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन हेतु स्वर्ण शिल्पी ज्वेलर्स (चेन्नई) प्रा. लिमिटेड के श्री राकेश, श्री दिलीप, श्री कमलेश बाफना, चेन्नई का सौजन्यकर्ता के रूप में अर्थ सहयोग महत्वपूर्ण रहा।

संयोजक : श्री जय बोहरा, जयपुर व श्री दीपक डागलिया, मुम्बई

9. नशामुक्ति अभियान

समाज में, विशेषत: युवा वर्ग में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति वर्तमान युग की एक गम्भीर समस्या बन गयी है। अणुव्रत आन्दोलन प्रारम्भ से ही नशा मुक्ति हेतु अभियान चलाता रहा है। अणुव्रत अमृत महोत्सव के अवसर पर इस क्षेत्र में सुव्यवस्थित कार्य करने की योजना बनाई गई और "आओ! जिन्दगी की बात करें" टैग लाइन के साथ एक लोगो व थीम सॉन्ग तैयार किया गया। नशे की समस्या व समाधान से परिचित कराते हुए ब्रोशर तैयार किया गया। सभी अणुव्रत समितियों को यह सामग्री भेजकर नशामुक्ति अभियान की कार्ययोजना पर काम करने का आह्वान किया गया। नशामुक्ति पर एक प्रेरक ऐनिमशन वीडियो क्लिप बनाई गई जो अणुव्रत यात्रा के दौरान अणुव्रत वाहिनी में व्यापक स्तर पर दिखाई गयी। सोशल मीडिया के माध्यम से भी इस अभियान को निरन्तर गति दी गई। अनेक अणुव्रत समितियों ने अत्यंत रुचि के साथ नशामुक्ति अभियान को अलग-अलग विधाओं के साथ गति प्रदान की।

संयोजक : श्री राजेश मेहता, मुम्बई

10. "एलीवेट- एक्सपीरियंस द रीयल हाई" डी-एडिक्शन अभियान

मुम्बई शहर में नशे की गम्भीर समस्या को देखते हुए एक व्यापक अभियान चलाने की योजना पर कार्य प्रारम्भ हुआ। आचार्य प्रवर ने स्वयं इस योजना को समझा एवं अपना आशीर्वाद प्रदान किया। मुनिश्री अभिजीतकुमार जी के मार्गदर्शन में मुदित भंसाली, ललित छाजेड़ सहित कार्यकर्ताओं की एक बड़ी टीम के साथ मुम्बई के स्कूलों व कॉलेजों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। 50 स्कूलों व कॉलेजों में ये कार्यक्रम आयोजित कर 10 हजार से अधिक युवाओं को नशामुक्ति के प्रति संकल्पित कराया गया। 30 प्रशिक्षक इस कार्य हेतु तैयार किये गये। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस आचार्य प्रवर की सन्निद्धि में पहुंचे और 'एलिवेट' अभियान को अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। 4 नवम्बर, 11 दिसंबर व 19 दिसंबर को 'एलीवेट' पर विशेष कार्यक्रम परम पूज्य अणुव्रत अनुशास्ता के सान्निध्य में आयोजित किए गए जिनमें ख्याति प्राप्त डॉक्टर, एनसीसी के प्रमुख पदाधिकारी, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी, फिल्म स्टार व संगीतकार, कॉर्पोरेट लीडर्स एवं बुद्धिजीवी शामिल हुए और इस अभियान में अपना सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। मुंबई पुलिस का सहयोगी संस्था के रूप में इस अभियान के साथ जुड़ना एक विशेष उपलब्धि रही। सह-संयोजक के रूप में श्री मुदित भंसाली और श्री ललित छाजेड का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इस कार्यक्रम को शीघ्र ही अणुव्रत समितियों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर चलाने की योजना है। नशामुक्ति के "एलिवेट : एक्सपीरियंस द रियल हाई" अभियान में कल्पतरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड, मुंबई के श्री मनीष मोहनोत का सौजन्यकर्ता के रूप में अर्थ सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

संयोजक द्वय : श्री अशोक कोठारी एवं डॉ.गौतम भंसाली, मुम्बई

11. अणुव्रत डिजिटल डिटॉक्स अभियान

सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रचलन के चलते डिजिटल एडिक्शन गम्भीर समस्या बनती जा रही है। अणुव्रत आन्दोलन के अन्तर्गत "अणुव्रत डिजिटल डिटॉक्स" नाम से एक नया जागरुकता अभियान प्रारम्भ किया गया जिसके अन्तर्गत इलेक्ट्रोनिक्स गैजेट्स पर अत्यधिक समय (स्क्रीन टाइम) बिताने से होने वाले नुकसान से परिचित कराने के साथ-साथ समाधान प्रस्तुत करते हुए कार्य प्रारम्भ किया गया। अणुव्रत डिजिटल डिटॉक्स का ब्रोशर सहित विविध प्रचारात्मक सामग्री तैयार कर मुनि श्री जागृतकुमार जी के मार्गदर्शन में प्रारम्भिक स्तर पर मुम्बई के स्कूलों व कॉलेजों में इस अभियान को चलाया गया। इस कार्यक्रम को शीघ्र ही अणुव्रत समितियों माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर चलाने की योजना है।

संयोजक : श्री प्यारचन्द मेहता, मुम्बई

12. अणुव्रत संकल्प श्रृंखला

अणुव्रत आचार संहिता के प्रति अधिक से अधिक लोगों को संकल्पित कराना अणुव्रत आन्दोलन का एक प्रमुख कार्य रहा है। अणुव्रत के मूलभूत परिचय के साथ अणुव्रत आचार संहिता का फॉर्म एक ब्रोशर के रूप में तैयार कर प्रत्येक अणुव्रत समिति व अणुव्रत मंच को नि:शुल्क उपलब्ध कराया गया। यह ब्रोशर हिन्दी, अंग्रेजी, गुजराती, मराठी, बांग्ला, तमिल, असमिया, कन्नड़, पंजाबी, उर्दू आदि 10 भाषाओं में उपलब्ध कराया गया। प्रचार-प्रसार के लिए अलग-अलग मैसेज और वीडियो क्लिप मीडिया में उपलब्ध कराए गए। इस कार्य को और सघनता से करने के

◆ प्रत्येक मंगलवार

संयम दिवस

संकल्प पत्र

मैं जीवन में संयम के अभ्यास का इच्छुक हूँ। मैं दृढ़ संकल्पशक्ति के साथ संकल्प लेता हूँ कि प्रत्येक मंगलवार को -

1. मैं एक घंटा मौन रखूंगा।
2. मैं नशे से मुक्त रहूंगा।
3. मैं मांसाहार नहीं करूंगा।

नाम ....

पता ....

....

शहर .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राज्य .... देश ....

मोबाइल नं. ....

ई-मेल ....

संकल्प पत्र ऑनलाइन भरने के लिए ...
http://www.anuvibha.org/pledge
पर जाएं अथवा क्यूआर कोड स्कैन करें...

संयम दिवस के सूत्र

"संयम दिवस" संयम के अभ्यास का दिन है। मूलतः तीन सूत्र इस दिन के लिए निर्धारित हैं, जिनका हम पूर्ण जागरूकता के साथ निष्ठित रूप से अनुपालन करें। संयम के प्रति हमारी यह जागरूकता हमारे आचार, विचार और व्यवहार में संयम को अभिन्न हिस्से के रूप में शामिल करने में मददगार सिद्ध होगी। संयम दिवस के तीन सूत्र हैं -

1. एक घण्टा मौन साधना
2. नशे से मुक्त रहना
3. मांसाहार नहीं करना

संयम का अभ्यास

संयम को हमारे दैनंदिन जीवन का हिस्सा बनाने के लिए हम अपने विवेक से, अपनी रुचि अनुरूप उपरोक्त नियमों के अतिरिक्त भी छोटे-छोटे व्रत स्वीकार कर सकते हैं। ये व्रत हमारे जीवन को श्रेष्ठता के नए पायदान चढ़ने का आधार बनेंगे। सुझाव स्वरूप कुछ बिंदु प्रस्तुत हैं-

- किसी प्राणी को अपने आमोद-प्रमोद के लिए न सताना।
- प्राणियों का वध से बनी प्रसाधन सामग्री का उपयोग न करना।
- संयत भाषा में बात करना, गाली गलौच या अपशब्दों का प्रयोग न करना।
- गुस्सा न करना। गुस्सा आए तो कुछ क्षणों के लिए मौन का अभ्यास करना।
- सुबह उठने के बाद और रात्रि सोने से पहले महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करना।
- किसी के साथ दुर्व्यवहार न करना, हो जाए तो क्षमा मांगना।
  कम से कम 15 मिनट ध्यान का अभ्यास करना।
- सुबह या रात को सोने से पहले कम से कम 15 मिनट सत्साहित्य पढ़ना।
- वीडियो गेम्स न खेलना।
- सोशल मीडिया पर सक्रिय न रहना।
- झूठ बोलने से बचना।
- स्नान, ब्रश और शेविंग आदि करते समय पानी का उपयोग कम से कम करना।
- एक किलोमीटर की दूरी के लिए वाहन का उपयोग न करना।
- भोजन जूठा न छोड़ना।
- फास्ट-फूड न खाना।

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी
जीवन विज्ञान
चिंतन संगोष्ठी
आचार्य श्री महाश्रमण

महाप्रज्ञ अलंकरण दिवस

जीवन विज्ञान प्रशिक्षण शिविर

ANUVRAT SAMITI GHAZIABAD
In Association with
VIDYA BHARTI SCHOOL
GHAZIABAD
YOGA
21 JUNE 2023
06:00 am onwards
GHAZIABAD®
International Yoga Day

लिए केंद्रीय स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम मनोनीत की गई। संकल्प पत्र भरने की सुविधा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध कराई गई। अणुव्रत अमृत महोत्सव के इस वर्ष में 75 हजार 11 सूत्रीय अणुव्रत संकल्प पत्र भरे गए। इसी के साथ, अणुव्रत गीत महासंगान के आयोजन में 5 लाख से अधिक लोगों ने अणुव्रत यात्रा के 3 सूत्रीय संकल्प स्वीकार किए।

संयोजक : श्रीमती पायल चौरड़िया, बारडोली

13. अणुव्रत दिवस आयोजन

अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी का जन्मदिन प्रतिवर्ष "अणुव्रत दिवस" के रूप में मनाया जाता है। चूँकि संयम अणुव्रत दर्शन का मूल मंत्र है, अणुव्रत अमृत महोत्सव के इस विशिष्ट अवसर पर इस दिन संयम के प्रतीक स्वरूप अधिक से अधिक उपवास किये जाएँ, यह लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस दिशा में प्रयास प्रारम्भ करते हुए सभी समितियों व मंचों को गूगल फॉर्म बनाकर उसका लिंक व्हाट्सएप्प द्वारा भेजा गया। अणुव्रत समितियों को अणुव्रत दिवस पर आधारित पोस्टर प्रेषित किये गये तथा सोशल मीडिया पोस्ट भेजे गए। स्थानीय स्तर पर चारित्रात्माओं एवं अन्य संस्थाओं का महत्वपूर्ण सहयोग इस प्रकल्प को मिला और प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देशभर में 2325 लोगों ने उपवास रखकर संयम के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। जहाँ अणुव्रत का नेटवर्क नहीं है वहाँ भी लोगों ने उपवास किया। अनुमान है कि 5000 से अधिक लोगों ने इस दिन उपवास रखा।

संयोजक : श्री भरत चौरड़िया, धरान

14. संयम दिवस

प्रत्येक मंगलवार को 'संयम दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय अणुव्रत अमृत महोत्सव के अन्तर्गत लिया गया। मंगलवार का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 1 मार्च 1949 को अणुव्रत के प्रवर्तन का दिन मंगलवार ही था। संयम चूँकि अणुव्रत का मूलमंत्र है। संयम दिवस के दिन संयम का अभ्यास हो, इस लक्ष्य को सामने रख तीन व्रत निर्धारित किये गये - (1) मैं एक घंटा मौन रखूँगा। (2) मैं नशे से मुक्त रहूँगा। (3) मैं मांसाहार नहीं करूँगा। इसके अतिरिक्त भी दैनन्दिन जीवन में संयम को शामिल करने के लिये अनेक सूत्र सुझाव स्वरूप दिये गये। इन समस्त जानकारियों व संकल्प पत्र के साथ बड़ी संख्या में संयम दिवस के फोल्डर तैयार कर अपेक्षानुरूप अणुव्रत समिति को प्रेषित किये गये। इस अभियान को गति प्रदान करने में चरित्रात्माओं का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ एवं अनेक स्थानों पर संयम संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। अमृत वर्ष के दौरान 6765 संकल्प पत्र ऑनलाइन भरे गए जबकि 3559 लोगों ने व्यक्तिशः संकल्प पत्र भरे।

संयोजक : श्री प्रकाश भंडारी, पुणे

15. अणुव्रत आचार संहिता पट्ट वितरण

अणुव्रत आचार संहिता को जन-जन में प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से आकर्षक डिजाइन के साथ पट्ट तैयार किये गये। दो आकार में तैयार किये गये ये पट्ट स्कूल, कार्यालय जैसे सार्वजनिक स्थानों पर लगाये गए। आवश्यकता अनुरूप ये पट्ट अणुव्रत समितियों को निःशुल्क उपलब्ध कराये गए। 5 हजार से अधिक अणुव्रत आचार संहिता पट्ट वितरित किये गए। इस कार्य में सौजन्य स्वरूप श्री विनोद बैद, दिलीप इंडस्ट्रीज, जयपुर का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

संयोजक : श्री विमलकुमार बैद, विजयवाड़ा

16. जीवन विज्ञान विभाग

जीवन विज्ञान अणुविभा का एक महत्वपूर्ण प्रकल्प है। नई पीढ़ी के नवनिर्माण को लक्षित इस प्रकल्प को देशभर में प्रभावी रूप में क्रियान्वित करने के उद्देश्य से केन्द्रीय स्तर पर नौ कार्यकर्ताओं की टीम कार्यरत है जिसमें शमिल हैं - श्रीमती माला कातरेला, चेन्नई (उपाध्यक्ष) जीवन विज्ञान प्रभारी, श्री रमेश पटावरी, झोड संयोजक, श्री कमल बैंगाणी, रायपुर सह-संयोजक, श्री नीरज बम्बोली, मुम्बई सह-संयोजक, श्री राकेश खटेड़, चेन्नई प्रशिक्षण प्रभारी, श्री विमल गुलगुलिया, जयपुर प्रभारी तकनीकी प्रबन्धन, श्रीमती हंसा संचेती, नई दिल्ली प्रभारी उच्च शिक्षा प्रबन्धन, श्रीमती ममता श्रीश्रीमाल, ठाणे प्रभारी स्कूल प्रबंधन, श्रीमती रीना गोयल, जयपुर ऑनलाइन प्रशिक्षिका। इसके साथ ही 25 राज्यों में राज्य संयोजक मनोनीत किये गये हैं। 125 अणुव्रत समितियों ने स्थानीय स्तर पर संयोजक मनोनीत कर जीवन विज्ञान के कार्य को गति प्रदान की है।

देश के विभिन्न शहरों में जीवन विज्ञान प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें प्रमुख हैं - बगड़ी नगर, बायतु, डोम्बीवली मुम्बई, दिल्ली, रायपुर, भिलाई, उधना सूरत, बेंगलुरु। दिल्ली व सूरत में आयोजित कार्यशालाओं में शिक्षा विभाग की सहभागिता उल्लेखनीय रही। ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन कर जीवन विज्ञान प्रशिक्षण क्रम को निरन्तर गति प्रदान की गई। प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान के ऑनलाइन प्रशिक्षण का कार्यक्रम निरन्तर प्रति रविवार संचालित हो रहा है। शिक्षा विभाग कर्नाटक सरकार द्वारा जीवन विज्ञान ऑनलाइन कोर्स और मॉड्यूल के लोकार्पण समारोह का आयोजन शिक्षामंत्री बी.सी. नागेश की उपस्थिति में हुआ। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही जिसमें राष्ट्रीय परामर्शक श्री मूलचन्द नाहर का विशेष योगदान रहा। कर्नाटक के शिक्षा विभाग द्वारा संचालित जीवन विज्ञान ऑनलाइन पाठ्यक्रम की गति-प्रगति एवं आवश्यक संशोधन-संवर्द्धन के उद्देश्य से अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के जीवन विज्ञान विभाग एवं कर्नाटक सरकार के डी.एस.ई.आर.टी. के पदाधिकारियों की एक औपचारिक बैठक का आयोजन बेंगलुरु में 11 अप्रैल 2023 को हुआ। नौवें अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस

जयजय

KIDZ

KIDZONE

21 जून, 2023 के उपलक्ष में 45 अणुव्रत समितियों द्वारा 52 स्थानों पर जीवन विज्ञान के आयोजन हुए। देशभर में तेरापंथ समाज एवं निजी संचालकों द्वारा संचालित विद्यालयों में जीवन विज्ञान संबंधी गतिविधियों के संचालन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जीवन विज्ञान चिन्तन संगोष्ठी का आयोजन 19 जुलाई 2023 को अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में नंदनवन, मुम्बई में हुआ। संगोष्ठी में 9 राज्यों के 60 विद्यालयों से लगभग 80 प्रतिभागियों के साथ मुम्बई क्षेत्र के अनेक कार्यकर्तागण भी उपस्थित हुए। 6 विद्यालयों ने अणुविभा के साथ कार्य प्रारम्भ करने का संकल्प व्यक्त किया।

जीवन विज्ञान के कुशल प्रशिक्षक तैयार करने के उद्देश्य से 23 अगस्त से 05 सितम्बर, 2023 तक ऑनलाइन जीवन विज्ञान प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 239 प्रशिक्षणार्थियों को अगले चरण के लिए अनुशंषित किया गया। जीवन विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों के अंग्रेजी संस्करण का नवीनतम संशोधित एवं संवर्द्धित संस्करण का प्रकाशन किया गया। कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक की इन पुस्तकों के संशोधन एवं संवर्द्धन हेतु विगत लगभग तीन वर्षों की अवधि में आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनिश्री मननकुमारजी के साथ मुनिश्री धर्मेशकुमारजी, मुनिश्री सिद्धप्रज्ञजी, जीवन विज्ञान प्रभारी श्रीमती माला कातेरला एवं जीवन विज्ञान राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रभारी श्री राकेश खटेड़ ने अथक परिश्रम कर इस साहित्य सम्पदा को नवीन कलेवर दिया है। जीवन विज्ञान प्रकल्प में श्री मूलचंद, श्री मुकेश, श्री विकास नाहर, जाणुंदा-बैंगलुरु का सौजन्यकर्ता के रूप में अर्थ सहयोग उल्लेखनीय रहा।

संयोजक : श्री रमेश पटावरी, इरोड

17. अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट

नई पीढ़ी में रचनात्मकता व सकारात्मकता के गुणों को पोषित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रकल्प का आयोजन प्रतिवर्ष किया जा रहा है। इस वर्ष "असली आजादी अपनाओ" की मुख्य थीम पर लेखन, चित्रकला, गायन, भाषण व कविता- इन पाँच विधाओं में कक्षा 5 से 8 व कक्षा 9 से 12 दो वर्गों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से अणुव्रत के संदेश को स्कूली बच्चों के बीच प्रभावी तरीके से पहुँचाया गया। प्रतियोगिता के विभिन्न स्तरों पर मुख्य थीम के अन्तर्गत छोटे-छोटे विषय निर्धारित किये गये ताकि जीवन में बुराइयों से बचे रहने के तरीके बच्चे स्वयं ढूँढ़ सकें।

व्यापक प्रचार हेतु पोस्टर्स, बैनर्स, ब्रोशर्स आदि छपवा कर अणुव्रत समितियों के माध्यम से स्कूलों तक पहुंचाए गए। मुख्य थीम पर एक गाना रिकॉर्ड करवाया गया और वेबसाइट तैयार की गई। सम्पूर्ण आयोजन हेतु केन्द्रीय स्तर पर कोर टीम बनाकर नॉर्थ जोन से प्रणिता तालेसरा, साउथ जोन से सुभद्रा लुणावत, ईस्ट जोन से संजय चौरड़िया, वेस्ट जोन से किरण परमार व पुष्पा कटारिया, सेंट्रल सेंट्रल जोन से साधना कोठारी को सह-संयोजक मनोनीत किया गया और अभियान को गति प्रदान की गई। 18 राज्यों में 20 राज्य प्रभारियों की नियुक्ति की गई। लगभग 400 कार्यकर्ताओं ने पूर्ण समर्पण भाव से अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट को सफल बनाने में अपना श्रम पूर्ण योगदान निरंतर प्रदान किया।

देशभर से 81 जिलों के 1150 स्कूलों के लगभग 1 लाख बच्चों ने अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट - 2023 के लिए पंजीयन कराया और लगभग 45 हजार बच्चों की सक्रिय सहभागिता रही। अणुव्रत समितियों के माध्यम से जिला स्तरीय व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन संपन्न हुए। 13 फरवरी को ठाणे में अणुव्रत अनुशास्ता की सन्निधि राष्ट्रीय स्तर के 34 विजेताओं की प्रस्तुति हुई व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर 60 विजेताओं का चयन किया गया था। आचार्य प्रवर ने विशेष समय प्रदान कर विद्यार्थियों व उनके साथ समागत शिक्षकों व अभिभावकों से बात की एवं आशीर्वाद प्रदान किया। बच्चों की प्रस्तुतियों को उपस्थित जनता ने अत्यंत पसंद किया। मुम्बई में इस हेतु मुख्य न्यासी श्री टी. के. जैन के प्रयासों से राजस्थान भवन आरक्षित किया गया।

संयोजक : श्री राजेश चावत, बेंगलुरु

18. अणुव्रत बालोदय किडजोन

अणुव्रत बालोदय किडजोन सन् 2016 से अणुव्रत अनुशास्ता के चातुर्मासिक प्रवास स्थलों पर प्रतिवर्ष लगाया जाता रहा है। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया इस प्रकल्प की सफलता को दर्शाती है। इससे उत्साहित होकर अणुव्रत अमृत महोत्सव के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न स्थानों पर स्थायी रूप से अणुव्रत बालोदय किडजोन के संचालन का चिन्तन सामने आया। इसकी क्रियान्विति हेतु किडजोन की सम्पूर्ण कार्ययोजना बनाकर सभी समितियों को प्रेषित की गई। इस शृंखला का पहला किडजोन सितम्बर माह 2023 में चाड़वास में प्रारम्भ हुआ। अणुव्रत समिति चाड़वास की इस पहल ने अन्य समितियों को प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप चूरू, छापर, बारडोली, सिलीगुड़ी व भिलाई में भी किडजोन खोलने की तैयारी चल रही है।

संयोजक : श्री चमन दूधोड़िया, छापर

19. मुंबई किडजोन

अणुव्रत अनुशास्ता के मुम्बई चतुर्मास में अणुव्रत बालोदय किडजोन एक नये निखरे व व्यापक स्वरूप में सामने आया। लगभग 5 हजार वर्गफीट में फैले इस किडजोन में फिल्म शो, योग, पर्यावरण विषयक कक्ष विकसित किये गये। साथ ही अणुव्रत के विभिन्न प्रकल्पों का परिचय समेटे स्वागत कक्ष भी बनाया गया। बच्चों के खेलने व विभिन्न कार्यशालाओं के आयोजन हेतु एक बड़ा हॉल साधन-सुविधाओं से सुसज्जित किया

अणुव्रत समिति
ANUVRAT
Since 1949

अणुव्रत वाटिका

गया। जीवन विज्ञान पर आधारित होलोग्राम शो बच्चों के आकर्षण का विषय रहा। अणुव्रत अनुशास्ता ने स्वयं दो बार पधारकर इस किडजोन का अवलोकन किया एवं प्रसन्नता व्यक्त की। चतुर्मास काल में 6758 बच्चे लाभान्वित हुए एवं 3000 से अधिक अभिभावकों, आगंतुकों ने किडजोन का अवलोकन किया। संयोजक श्रीमती सुमन चपलोत व सह-संयोजक श्रीमती मीना बड़ाला ने अपनी पूरी टीम के साथ इस किडजोन को विकसित करने व संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस टीम में 82 कार्यकर्ता जुड़े हुए थे। श्री राकेश कठोतिया, मुम्बई का अर्थ सहयोग किडजोन की सफलता में योगभूत बना। मुंबई किडजोन के सौजन्यकर्ता थे शुभकाम वेंचर्स, मुंबई के श्री राकेश आरती कठोतिया जिनके सहयोग ने इस उपक्रम को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की।

संयोजक : श्रीमती सुमन चपलोत

20. अणुव्रत बालोदय शिविर

बालोदय शिविरों में रचनात्मक अधिगमों के माध्यम से भावात्मक शिक्षा व संस्कार सम्प्रेषण का क्रम निरन्तर संचालित हो रहा है। अणुव्रत गीत संगान व व्याख्या, संवाद, स्टोरी टेलिंग, मौन भोजन, मौन प्रार्थना, आर्ट एंड क्राफ्ट, बाल संसद, नेचर वाच, डायरी लेखन, योगाभ्यास, ओनेस्टी शोप व प्रकृति पर्यावरण चेतना हेतु भ्रमण व रोचक खेलों का आयोजन जैसे प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में एक नवाचार के रूप में प्रशंसित हुए हैं। त्रिदिवसीय आवासीय बालोदय शिविर बच्चों को सुखद एवं यादगार अनुभव देते हैं। चिल्ड्रन 'स पीस पैलेस में सृजित की गई बालोदय दीर्घाओं का उपयोग शिविरों में अत्यन्त महत्वपूर्ण व उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इस वर्ष आयोजित 7 तीन दिवसीय बालोदय शिविरों में राजसमंद जिले के 16 विद्यालयों के 526 बच्चों की तथा एक दिवसीय शिविर में 3 स्कूलों के 578 बच्चों की सहभागिता रही।

संयोजक : डॉ. सीमा कावड़िया, राजसमन्द

21. अणुव्रत बालोदय एज्यूटूर

राजसमन्द स्थित चिल्ड्रन 'स पीस पैलेस एवं यहाँ संचालित अणुव्रत बालोदय प्रवृत्तियों का लाभ दूरदराज के स्कूल भी उठा सकें, इस उद्देश्य से बालोदय एज्यूटूर नामक शैक्षिक भ्रमण का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इसके अन्तर्गत स्कूली बच्चों को आवास-भोजन आदि की व्यवस्था अणुविभा के इस केन्द्र में सशुल्क उपलब्ध कराई जाती है तथा आस-पास के ऐतिहासिक स्थानों जैसे उदयपुर, कुम्भलगढ़, हल्दीघाटी, नाथद्वारा के भ्रमण की सुविधा दी जाती है। इस योजना से अधिक से अधिक स्कूलों को परिचित कराने के लिये एक परिचयात्मक फोल्डर प्रकाशित कर आमन्त्रण पत्र के साथ स्कूलों को प्रेषित किये गये। अणुव्रत समितियों को भी यह जानकारी भेजी गई। उदयपुर, भीलवाड़ा व नीमराणा के 5 स्कूलों के 550 बच्चे बालोदय एज्यूटूर पर आए।

संयोजक : श्री अभिषेक कोठारी, भीलवाड़ा

22. स्कूल विद ए डिफरेन्स

'स्कूल विद ए डिफरेन्स' अणुव्रत बालोदय प्रकल्प की एक विशिष्ट कार्ययोजना है जिसके अन्तर्गत चयनित विद्यालयों में शान्ति व अहिंसा की संस्कृति को विकसित करने का प्रयास किया जाता है। वर्तमान में राजसमंद जिले के लगभग पचास विद्यालयों में यह योजना क्रियान्वित की जा रही है। अणुविभा के प्रशिक्षक इन विद्यालयों में जाकर जीवन विज्ञान के व्यावहारिक प्रशिक्षण दे बच्चों में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य हेतु मोटिवेशन दे रहे हैं। प्रायोजना से जुड़े विद्यालयों को प्राथमिकता के आधार पर बालोदय शिविरों में सहभागिता का अवसर प्रदान कर विद्यालय के माहौल में सकारात्मक बदलाव का ठोस प्रयास किया जा रहा है। अनेक विद्यालयों में बालोदय क्लब के गठन द्वारा बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है। विद्यालयों में नशा मुक्ति व दंड मुक्ति हेतु बच्चों व शिक्षकों को प्रबोधन भी इस कार्यक्रम का हिस्सा है।

संयोजक : डॉ. राकेश तैलंग, कांकरोली

23. पर्यावरण जागरुकता अभियान

पर्यावरण जागरुकता अभियान हमेशा ही अणुव्रत आन्दोलन का एक प्रमुख प्रकल्प रहा है। पर्यावरण के क्षेत्र में नियमित व स्थायी रूप से कार्य हो, इस उद्देश्य से अमृत वर्ष में कुछ विशिष्ट गतिविधियों की संयोजना की गई, जिनमें महत्वपूर्ण है अणुव्रत वाटिका। विभिन्न क्षेत्रों में स्थायी रूप से अणुव्रत वाटिका के निर्माण का श्रीगणेश आचार्य तुलसी समाधि स्थल नैतिकता की शक्तिपीठ शांति प्रतिष्ठान गंगाशहर से हुआ। अणुव्रत समितियों के सहयोग से अब तक 18 शहरों में अणुव्रत वाटिकाओं का उद्घाटन हो चुका है एवं अनेक क्षेत्रों में यह कार्य प्रगति पर है। विभिन्न त्योहारों को पर्यावरण-प्रिय तरीकों से मनाने के उद्देश्य से "ईको-फ्रेंडली फेस्टिवल" कार्यक्रम तैयार किया गया। खेड़ब्रह्मा में अणुव्रत अनुशास्ता के सान्निध्य में ईको-फ्रेंडली फेस्टिवल बैनर का लोकार्पण किया गया। जन-जागरण के लिए बैनर-होर्डिंग्स, नुक्कड़ नाटक, लेखन तथा वीडियो सन्देश के रूप में राष्ट्रीय स्तर के पर्यावरणविदों, शिक्षाविदों सहित बुद्धिजीवियों की तरफ से विशेष तौर पर अपील प्रसारित की गई। विश्व पर्यावरण दिवस के सन्दर्भ में 4 जून 2023 को इंटरनेशनल वेबिनार 2023 का ऑनलाइन आयोजन किया गया जिसमें प्रसिद्ध मोटिवेशन स्पीकर्स ने भाग लिया। देशभर की अणुव्रत समितियों ने पर्यावरण विषयक संगोष्ठियों का आयोजन किया एवं पौधारोपण एवं वितरण का कार्य किया। प्रत्येक महत्वपूर्ण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया, दुबई में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन में राष्ट्रीय संयोजक ने भाग लिया एवं अणुव्रत व पर्यावरण के संदर्भ में पत्रवाचन किया।

संयोजक : डॉ. नीलम जैन, बीकानेर

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी
के तत्वावधान में आयोजित

अणुव्रत काव्यधारा

अणुव्रत व्याख्यान-माला

अणुव्रत समिति
अहमदाबाद

24. अणुव्रत लेखक मंच

अणुव्रत अनुशास्ता के पावन सान्निध्य में अणुव्रत लेखक मंच का उपक्रम वर्षों से संचालित हो रहा है जिसके अन्तर्गत वर्ष में एक बार आचार्यश्री के सान्निध्य में अणुव्रत लेखक सम्मेलन का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष स्थानीय समितियों को भी अणुव्रत लेखक व पत्रकार सम्मेलन आयोजित करने का कार्य दिया गया जिसके परिणामस्वरूप देश की 10 समितियों यथा जयपुर, लाडनूं, सुजानगढ़, गंगाशहर, पाली, बारडोली ने इस आयोजन को भव्यता के साथ किया। अणुव्रत समितियों को स्थानीय स्तर पर उत्कृष्ट लेखकों का चयन कर उन्हें अणुव्रत लेखक मंच से जोड़ने हेतु निवेदन किया गया। अणुव्रत लेखक मंच के उद्देश्यों व कार्यक्रमों पर आधारित एक फोल्डर तैयार किया गया जिसे राष्ट्रीय स्तर पर अणुव्रत पत्रिका व बच्चों का देश से जुड़े करीब 500 लेखकों को भेजकर इससे जुड़ने के लिए आमन्त्रित किया गया। अब तक मंच के लगभग 150 सदस्य बन चुके हैं। 16-17 नवम्बर 2023 को देश भर के चुनिन्दा लेखकों का अणुव्रत लेखन सम्मेलन अणुव्रत अनुशास्ता के सान्निध्य में मुम्बई में आयोजित हुआ। इस सम्मेलन में करीब 50 लेखकों की सहभागिता रही। गाँधी मार्ग पत्रिका के संपादक वरिष्ठ गाँधीवादी श्री कुमार प्रशांत मुख्य अतिथि तथा नवभारत टाइम्स ग्रुप मुंबई के वरिष्ठ संपादक कैप्टन सुरेश चंद्र ठाकुर प्रमुख वक्ता थे। सम्मलेन में हिंदी व राजस्थानी के प्रसिद्ध साहित्यकार श्री इकराम राजस्थानी को इस वर्ष का 'अणुव्रत लेखक पुरस्कार' प्रदान किया गया।

संयोजक : डॉ. वीरेन्द्र भाटी, लाडनूं

25. अणुव्रत व्याख्यानमाला

अणुव्रत के विचार सम्पूर्ण मानवता के लिए अत्यन्त उपयोगी हैं, इसी तथ्य को ध्यान में रखकर अणुव्रत आन्दोलन के गौरवशाली 75 वर्ष में 75 व्याख्यान पूरे देश में कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस दिशा में कार्य करते हुए देशभर की अणुव्रत समितियों को अणुव्रत व्याख्यान आयोजित करने की कार्ययोजना एवं दिशादर्शिका बनाकर सम्भावित विषयों की सूची के साथ भेजी गई। इस अमृत वर्ष में 38 अणुव्रत व्याख्यानमालाएं आयोजित की जा चुकी हैं। इनमें अनेक चारित्रात्माओं सहित वरिष्ठ चिन्तकों व साहित्यकारों का सान्निध्य व मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

संयोजक : प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी रत्नेश, लाडनूं

26. अणुव्रत काव्यधारा

अणुव्रत काव्यधारा प्रकल्प की कार्ययोजना सभी समितियों व मंचों को प्रेषित की गई। एकरूपता की दृष्टि से अणुव्रत काव्यधारा के बैनर का डिज़ाइन भी प्रेषित किया गया। स्पष्ट दिशानिर्देश दिये गये कि स्थानीय स्तर के अच्छे कवियों का चयन करके उनसे मिलें, उन्हें अणुव्रत साहित्य दें। उन्हें अणुव्रत आचार संहिता कम से कम एक सप्ताह पूर्व अवश्य पहुँचा दें। अणुव्रत दर्शन को काव्य में पिरोकर काव्यपाठ इन्हीं 11 विषयों पर आधारित होना चाहिए। 15 स्थानों पर अणुव्रत काव्यधारा कार्यक्रम का आयोजन हो चुका है एवं 21 अन्य स्थानों पर मार्च माह में आयोज्य है।

संयोजक : डॉ. धनपत लुनिया, नई दिल्ली

27. अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह

अणुव्रत आन्दोलन द्वारा मानवीय मूल्यों के संवर्धन हेतु प्रतिवर्ष अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2023 तक किया गया। अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष के मद्देनजर इस सप्ताह की सुव्यवस्थित आयोजना हेतु सघन पूर्व तैयारी की गई। सातों दिवसों में समितियों व जनसाधारण के लिए सोशल व डिजिटल उपयोग के लिए अणुविभा द्वारा क्रिएटिव वीडियोज निरन्तर प्रसारित किये गये, जिससे अणुव्रत प्रसार की लहर सी पैदा हो गई। नेपाल व भारत के कोने-कोने में विराजित चारित्र आत्माओं ने अणुव्रत कार्यक्रमों में सान्निध्य व उद्बोधन भी प्रदान किये, हजारों लोगों को अणुव्रत आचार संहिता से संकल्पित भी करवाया। अन्य धर्मगुरुओं, विद्वानों, विशेषज्ञों, अधिकारियों ने भी अणुव्रत पर विशेष वक्तव्य दिये। अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के शुभारम्भ की पूर्वसंन्ध्या पर प्रेस वार्ता के सफल आयोजन से भी समितियों को बहुत लाभ मिला। लगभग 105 गांवों-शहरों में यह आयोजन प्रभावशाली रहा। इस सप्ताह के दौरान 100 से अधिक स्कूलों में हजारों बच्चों के बीच अणुव्रत कार्यक्रम आयोजित हुए। देशभर की अणुव्रत समितियों ने बढ़-चढ़ कर अणुव्रत के साप्ताहिक आयोजनों में रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, पुलिस लेन, हाट बाजार, मॉल, जेल-महिला कारागृह, नशामुक्ति केन्द्रों, अनाथालयों, सुधारगृहों, फैक्ट्रियों, मन्दिरों, मस्जिदों, चर्च, मदरसो स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में नये सफल प्रयोग किये। सप्ताह के दौरान लगभग 650 कार्यक्रम सम्पादित हुए।

अणुव्रत अनुशास्ता पूज्यप्रवर ने अणुव्रत अमृत देशना से इस साप्ताहिक आयोजन को प्रतिदिन आप्लावित किया। अणुव्रत अनुशास्ता के पावन सान्निध्य से उर्जा प्राप्त करके मुम्बई समिति ने नंदनवन के साथ अन्यत्र 55 सार्थक आयोजन करके नया कीर्तमान रचा। जयपुर समिति ने 31 ठोस बहुआयामी आयोजन किये। दिल्ली समिति ने 27 सफल कार्यक्रम किये। सरदारशहर समिति ने 11, टोहाना, अमृतसर, कोटकपुरा ने 10-10, मैलूसर ने 9 एवं जगराओ समिति ने 8 आयोजन सात दिनों में किये। अणुव्रत मीडिया टीम ने प्रतिदिन बड़ी संख्या में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी संकलित कर समयबद्ध संप्रेषण का कार्य दिन-रात लगकर किया।

संयोजक : डॉ. कुसुम लुनिया, नई दिल्ली

गोष्ठी (पूर्वांचल)
श्रमणजी के सुशिष्य
श्री कुमुद कुमार जी
तेरापंथ भवन, सिलीगुड़ी
, सिलीगुड़ी

G20
YOGA

अणुव्रत कार्यकर्ता संगोष्ठी (पूर्वांचल)
सान्निध्य :
परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य
मुनिश्री प्रशांत कुमार जी, मुनि श्री कुमुद कुमार जी
08 अक्टूबर, 2023 रविवार । स्थान : तेरापंथ भवन, सिलीगुड़ी
: अणुव्रत समिति, सिलीगुड़ी

अणुव्रत की बात
अणुव्रत प्रकल्पों की अद्भुत यात्रा .....

अणुव्रत
प्रदर्शनी

28. अणुव्रत प्रदर्शनी

अधिक से अधिक लोगों तक अणुव्रत का सन्देश पहुँचाया जा सके और अणुव्रत आचार संहिता से परिचित कराया जा सके, इस उद्देश्य से अणुव्रत प्रदर्शनी का आयोजन अणुव्रत अमृत महोत्सव के आयोजन में सम्मिलित किया गया। सम्पूर्ण कार्ययोजना एवं सामग्री (सॉफ्ट कॉपी) की उपलब्धता के साथ अणुव्रत समितियों को उनकी सुविधानुसार "अणुव्रत प्रदर्शनी" लगाने के लिए प्रेरित किया गया। अणुव्रत समिति, सिलीगुड़ी द्वारा प्रथम अणुव्रत प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अहमदाबाद समिति द्वारा चार विभिन्न स्थानों पर अणुव्रत प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसी प्रकार अणुव्रत समिति, पाली, किशनगंज सहित 8 स्थानों पर अणुव्रत प्रदर्शनी लगाई गई। कुछ अन्य समितियाँ 10-12 मार्च को भी इसका आयोजन कर रही हैं।

संयोजक : श्री सुरेश बागरेचा, अहमदाबाद

29. 74वां अणुव्रत अधिवेशन

अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष में 74वां अणुव्रत अधिवेशन 18 से 20 नवम्बर 2023 को नन्दनवन, मुंबई में अणुव्रत अनुशास्ता के पावन सान्निध्य में आयोजित हुआ। आचार्य प्रवर ने देशभर से समागत अणुव्रत कार्यकर्ताओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा - "अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी विराट संस्था है। इसका अपना तंत्र है। इस तंत्र का उपयोग अहिंसा, सद्भावना, नशामुक्ति के प्रसार में हो। अणुव्रत के कार्यकर्ता मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए अपनी शक्ति का नियोजन करते रहें।" अधिवेशन में श्रेष्ठ कार्य संचालन के लिए अनेक अणुव्रत समितियों का सम्मान किया गया, जिनमें शामिल हैं - महानगर श्रेणी में मुंबई प्रथम, जयपुर द्वितीय व दिल्ली तृतीय, नगर श्रेणी में गुवाहाटी, हिसार प्रथम, भीलवाड़ा द्वितीय व सिलीगुड़ी तृतीय, शहर श्रेणी में पाली प्रथम, जसोल द्वितीय व चाड़वास तृतीय। 16 अन्य समितियों को अभ्यक्षीय प्रोत्साहन प्रदान किया गया। अधिवेशन में अणुविभा टीम के साथ ही 66 अणुव्रत समितियों व अणुव्रत मंचों से 319 संभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अणुव्रत पुरस्कार प्रसिद्ध उद्योगपति श्री रतन टाटा को देने की घोषणा की गई। मुख्य कार्यक्रम में श्री डालचंद कोठारी, मुंबई को वर्ष 2023 का अणुव्रत गौरव सम्मान तथा श्री राकेश खटेड़, चेन्नई को वर्ष 2023 का जीवन विज्ञान पुरस्कार प्रदान किया गया। अधिवेशन के विभिन्न सत्रों में अणुव्रत अमृत महोत्सव के दौरान संचालित विभिन्न उपक्रमों के सन्दर्भ में विस्तृत चर्चा हुई और जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। समितियों व मंचों के प्रतिनिधियों ने अपनी गति-प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया। इस दौरान अणुविभा की साधारण सभा का भी आयोजन भी हुआ और दानदाताओं का सम्मान किया गया।

संयोजक : श्री विनोद कोठारी, मुंबई

30. अणुव्रत आंचलिक कार्यशाला

अणुव्रत अमृत वर्ष संगठन को मजबूती देने एवं कार्यकर्ताओं के उत्साहवर्द्धन के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में आंचलिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। दिनभर चली इन कार्यशालाओं में तीन सत्रों में विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया, अणुव्रत प्रकल्पों की जानकारी देने के साथ ही जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। पश्चिमांचल की अणुव्रत समितियों की कार्यशाला लगभग 200 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में 27 अगस्त 2023 को चलथान में, उत्तरांचल की एक कार्यशाला लगभग लगभग 125 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में 23 सितम्बर 2023 को गंगाशहर में व दूसरी लगभग 90 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में 24 दिसम्बर 2023 को राजसमंद में तथा पूर्वांचल की लगभग 70 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में अक्टूबर 2023 को सिलीगुड़ी में आयोजित की गई। इन कार्यशालाओं का अच्छा प्रभाव रहा।

संयोजक : श्री भीखम सुराणा, दिल्ली

31. अणुव्रत अमृत किट

अणुव्रत समितियों को अणुव्रत का परिचयात्मक साहित्य एवं विभिन्न अणुव्रत प्रकल्प से जुड़ी सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अणुव्रत अमृत किट तैयार करने का निर्णय लिया गया। पुना में इस हेतु केन्द्र बनाकर उपलब्ध साहित्य का संकलन किया गया एवं नये साहित्य का मुद्रण कराया गया। अणुव्रत अमृत महोत्सव के लोगो के साथ एक हैण्ड बैग तैयार किया गया जिसे स्थानीय समिति के पदाधिकारी लम्बे समय तक उपयोग कर सकेंगे। देश के विभिन्न भागों में अणुव्रत समितियों व अणुविभा केन्द्रीय टीम के सदस्यों को लगभग 394 किट तैयार कर प्रेषित किये गये। इस किट में जो सामग्री उपलब्ध कराई गयी, वह है - प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान पुस्तिका, अणुव्रत अमृत महोत्सव दिशादर्शिका, अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट हिन्दी व इंग्लिश बुकलेट, पेम्फलेट, अणुव्रत प्रबोधक, संयम दिवस, अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह, अणुव्रत लेखक मंच, अणुव्रत संकल्प श्रृंखला, नशामुक्ति अभियान, पर्यावरण जागरुकता व बालोदय एज्यूट्यूर के फोल्डर, अणुव्रत आन्दोलन परिचय व अणुव्रत चुनाव शुद्धि अभियान की पुस्तिका, अणुव्रत गीत, अणुव्रत गीत महासंगान का साहित्य, अणुव्रत अमृत महोत्सव परिचय पुस्तिका, अणुव्रत जीवनशैली : एक मार्गदर्शिका, जीवन विज्ञान परिचय आदि। 'नैतिकता, चरित्र और अणुव्रत' पुस्तक, अणुव्रत डायरी, 'बच्चों का देश' पत्रिका, 'अणुव्रत' पत्रिका, अणुव्रत के 11 नियम एवं दुपट्टा भी किट में शामिल थे। अणुव्रत समितियों के व्यवस्थित संस्था संचालन हेतु एक कार्यवाही रजिस्टर भी इस अमृत किट का महत्वपूर्ण हिस्सा बना जिसमें अणुव्रत आन्दोलन व प्रकल्पों की मूलभूत जानकारी के साथ कार्यसमिति व साधारण सभा बैठकों के विवरण लिखने हेतु स्थान व उचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। इस रजिस्टर को तैयार करने में सहमंत्री श्री उमेन्द्र गोयल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

संयोजक : पुष्पा कटारिया, पूणे

32. अणुव्रत समिति पंजीयन

स्थानीय स्तर पर अणुव्रत समितियों के वैधानिक स्वरूप और कार्यशैली को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहे जिनके परिणाम स्वरूप अब तक 44 समितियों ने अणुविभा द्वारा अनुशंसित प्रारूप के अनुरूप ट्रस्ट डीड पंजीयन करवा कर आयकर विभाग में पंजीयन व बैंक खाता संचालन की व्यवस्थित प्रक्रिया को अपनाया है। अणुव्रत किट के साथ समितियों को उपलब्ध कराए गए कार्यवाही रजिस्टर और सदस्यता प्रारूप समितियों के व्यवस्थित व पारदर्शी संचालन का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

संयोजक : श्री तिलोक सिपाणी, हैदराबाद

33. अणुव्रत प्रबोधन प्रतियोगिता

सन् 2020 से प्रारम्भ अणुव्रत प्रबोधन प्रतियोगिता का यह अभिनव अभिक्रम लगातार चौथे वर्ष जारी रहा। अणुव्रत प्रबोधन प्रतियोगिता 2023 की आधार पुस्तक थी - "नैतिकता, चरित्र और अणुव्रत"। इस वर्ष की प्रतियोगिता का शुभारम्भ अणुव्रत अमृत महोत्सव के शुभारम्भ के साथ ही 21 फरवरी 2023 को खेरोज (गुजरात) से किया गया। केन्द्रीय प्रबोधन टीम के सभी 45 सदस्यों ने अणुव्रत समितियों के साथ समन्वय रखते हुए लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में पूरी निष्ठा के साथ कार्य सम्पादित किया और 8200 से अधिक लोगों को पुस्तक व प्रश्नोत्तरी सशुल्क भेज कर इस प्रतियोगिता से जोड़ा गया और 4599 व्यक्ति परीक्षाओं में शामिल हुए। 81 अणुव्रत समितियों को इस प्रतियोगिता से जोड़ा गया। अणुव्रत समिति-क्षेत्रों के अलावा 200 से अधिक नए क्षेत्रों के विभिन्न जाति-धर्म-वर्ग के लोगों को इस प्रतियोगिता से जोड़ने का उल्लेखनीय कार्य कर्मठ केन्द्रीय प्रबोधन टीम ने किया है। अंतिम चरण की प्रतियोगिताएँ क्षेत्रीय स्तर पर मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, लाडनूं सिलीगुड़ी आदि 5 केंद्रों पर आयोजित की गईं जिनमें स्थानीय अणुव्रत समितियों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि श्रेष्ठ 100 प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस प्रकल्प के प्रायोजक थे श्रीमान सुरेशराज जी सुराणा दिल्ली-जोधपुर।

संयोजक : श्री अशोक चोरड़िया, गंगाशहर

34. अणुव्रत प्रबोधक कार्यशाला

अणुव्रत कार्यकर्ताओं के सुव्यवस्थित प्रशिक्षण हेतु अणुव्रत प्रबोधक कार्यशाला का आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि श्री मनन कुमार जी के मार्गदर्शन में, पूर्व अध्यक्षों के सहयोग से और वरिष्ठ अनुभवी कार्यकर्ताओं के परामर्श से एक विधिवत पाठ्यक्रम बनाया गया। अणुव्रत में विशेषज्ञ निर्माण हेतु त्रिस्तरीय प्रशिक्षण की योजना बनाई गई है। प्रथम स्तर पर अणुव्रत प्रबोधक, द्वितीय स्तर पर अणुव्रत विज्ञ तथा तृतीय स्तर पर आवासीय प्रशिक्षण के पश्चात् अणुव्रत प्रचेता की उपाधि दी जाएगी।

कार्यशाला ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से नियोजित करने का प्रावधान है। अमृत वर्ष में फरवरी-मार्च 2023 तथा अगस्त 2023 में अणुव्रत प्रबोधक वर्ग- 1 के प्रशिक्षण हेतु 6 दिन की ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित हुईं। कार्यशाला के मुख्य विषय रहे - अणुव्रत के 11 नियम, अणुव्रत का इतिहास, अणुव्रत गीत का विवेचन, कार्यकर्ता की अर्हताएं एव वक्तृत्व कला के गुण। देशभर से सम्मिलित कुल 45 संभागियों में 16 प्रत्याशी आगामी चरण हेतु चुने गए। इन कार्यशालाओं में वरिष्ठ व अनुभवी अणुव्रत कार्यकर्ताओं सहित समणीवृंद का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। 1-2 अक्टूबर 2023 को मुंबई के नंदनवन परिसर में अणुव्रत प्रबोधक कार्यकर्ता निर्माण हेतु द्विदिवसीय आवासीय शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में कुल सात आमंत्रित सदस्यों ने भाग लिया। पूज्य प्रवर की सन्निधि में एवं आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि श्री मननकुमार जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में चारित्र आत्माओं द्वारा एवं अन्य विशेषज्ञों द्वारा अणुव्रत से सम्बन्धित विभिन्न विषयों का गहन प्रशिक्षण दिया गया।

संयोजक : डॉ. कमलेश नाहर, चेन्नई

35. अणुव्रत शोधपरक अध्ययन

अणुव्रत अमृत महोत्सव के विभिन्न प्रकल्पों में से एक प्रकल्प है "अणुव्रत शोधपरक अध्ययन" जिसका उद्देश्य है अणुव्रत के भिन्न-भिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन हो एवं इसे आध्यात्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और व्यावहारिक रूपों को राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने वाले व्यक्तियों का समूह बने। इस दिशा में कार्य प्रारम्भ करते हुए एक कार्यकारी दल का गठन किया गया, जिसमें अनुभवी, युवा एवं अणुव्रत से जुड़े हुए व्यक्तित्वों को जोड़ा गया। पी.एच.डी. स्कॉलरशिप योजना तैयार की गई, जिसमें योजना के सभी पहलुओं के साथ-साथ शोध हेतु विषय भी प्रस्तावित किये गए। पी.एच.डी.स्कॉलरशिप योजना सभी अणुव्रत समितियों को प्रेषित की गई। विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थाओं से जुड़े प्रोफेसर्स के साथ एक जूम मीटिंग की गई जिन्होंने उपयुक्त शोधकर्ताओं के चयन की दिशा में आश्वस्त किया। आने वाले समय में शोधार्थियों का चयन कर उन्हें छात्रवृत्ति देने का क्रम शीघ्र प्रारम्भ हो सकेगा, ऐसी आशा है।

संयोजक : श्री जिनेन्द्रकुमार कोठारी, अंकलेश्वर

OLA SARASWATHI
ENIOR SECONDARY

अणुव्रत

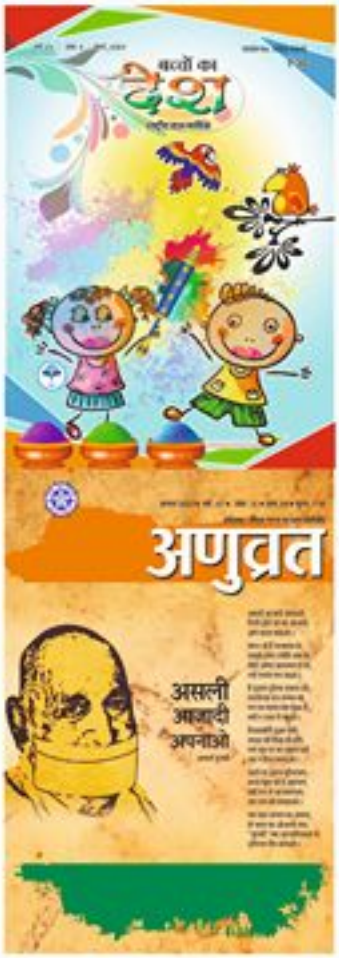
बच्चों का
देश
अणुव्रत
असली
आजादी
अपनाओ

बच्चों का
देश
अणुव्रत

36. अणुव्रत संकल्प यात्रा

अणुव्रत के सन्देश को जन-जन तक पहुँचाने के लिये विभिन्न गाँवों व शहरों में "अणुव्रत संकल्प यात्रा" निकालने की योजना पर फरवरी 2024 में सघन कार्य हुआ। इस हेतु कार्ययोजना तैयार कर लगभग 50 किलोमीटर की पदयात्रा का लक्ष्य दिया गया। इसमें अणुव्रत आचार संहिता के नियमों के साथ-साथ अणुव्रत यात्रा के त्रिआयामी लक्ष्य - सद्भावना, नैतिकता और नशामुक्ति तथा पर्यावरण व चुनाव शुद्धि जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। अनेक स्थानों पर पदयात्रा एवं स्थानों पर साईकिल यात्रा के रूप में "अणुव्रत संकल्प यात्रा" की गई। इस प्रकल्प की रचनात्मकता ने कार्यकर्ताओं को नए उत्साह से भर दिया।

संयोजक : श्री ललित आंचलिया, चेन्नई

37. "अणुव्रत" मासिक पत्रिका

करीब सात दशक से प्रकाशित हो रही "अणुव्रत पत्रिका" के माध्यम से अणुव्रत अनुशास्ताओं का प्रेरणा पाथेय और अणुव्रत दर्शन पर वरिष्ठ चिंतकों के विचार जन-जन तक पहुंचाए जा रहे हैं। साथ ही चिंतनपूर्ण आलेखों, कहानियों, लघुकथाओं तथा काव्य रचनाओं के माध्यम से मानवीय और नैतिक मूल्यों को आचरण में ढालने की सीख देने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। आंदोलन समाचारों के अंतर्गत देशभर की अणुव्रत समितियों व मंचों द्वारा अणुव्रत दर्शन तथा मानवीय मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए की जा रही गतिविधियों को सचित्र प्रकाशित किया जाता है। 21 फरवरी को अणुव्रत अनुशास्ता के सान्निध्य में प्रारम्भ हुए "अणुव्रत अमृत महोत्सव" के अवसर पर फरवरी-मार्च 2023 का अंक संयुक्त रूप से प्रकाशित किया गया। इसमें अणुव्रत प्रवर्तक आचार्य श्री तुलसी, अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाप्रज्ञ, साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी तथा साध्वीवर्याश्री सम्बुद्धयशाजी के प्रेरणा पाथेय के साथ ही अणुव्रत आंदोलन के प्रति सर्वात्मना समर्पित नौ महानुभावों के आलेख प्रकाशित किये गये। इसके साथ ही आचार्य श्री तुलसी की आत्मकथा "मेरा जीवन - मेरा दर्शन" से महत्वपूर्ण प्रसंगों के प्रकाशन का क्रम शुरू किया गया, जिससे अणुव्रत कार्यकर्ता तथा आम पाठक अणुव्रत आंदोलन के इतिहास से अवगत हो सकें। अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष की परिसम्पन्नता पर "अणुव्रत अमृत विशेषांक" प्रकाशित किया गया है। लगभग 400 पृष्ठ का यह विशेषांक अणुव्रत आंदोलन की ऐतिहासिकता को अपने में समेटे है। अणुव्रत अनुशास्ताओं के प्रेरणा पाथेय के साथ ही अनेक चारित्रात्माओं व वरिष्ठ साहित्यकारों के आलेख, अणुव्रत आंदोलन के 75 वर्षों की 75 झलकियाँ, अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष की रपट और अणुव्रत कार्यकर्ताओं के अनुभवजन्य आलेख इसे संग्रहणीय बनाते हैं।

न्यूयॉर्क अमेरिका से प्रकाशित होने वाले साप्ताहिक अंग्रेजी अखबार 'द साउथ एशियन टाइम्स' में अणुव्रत आंदोलन पर नियमित कॉलम का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अखबार के प्रमुख श्री कमलेश मेहता एवं अणुविभा के संयुक्त राष्ट्रसंघ में प्रतिनिधि श्री अरविन्द वोरा इस हेतु धन्यवाद के पात्र हैं।

संपादक : संचय जैन, उदयपुर, सह सम्पादक : श्री मोहन मंगलम, जयपुर

38. अणुव्रत ई-पत्रिका

'अणुव्रत' पत्रिका अणुव्रत आन्दोलन की प्रतिनिधि पत्रिका है। वर्तमान युग में उपलब्ध नई टेक्नोलॉजी का उपयोग कर अणुव्रत पत्रिका का ई-संस्करण मई 2023 से प्रारम्भ किया गया। इस संस्करण में जहाँ महत्वपूर्ण आलेख एवं अणुव्रत समाचार शामिल होते हैं, वहीं अणुव्रत अनुशास्ता के उद्बोधन का वीडियो, अणुव्रत आधारित गीतों का ऑडियो-वीडियो, 'बच्चों का देश' पत्रिका की पीडीएफ प्रति एवं दोनों पत्रिकाओं के सदस्य बनने हेतु ऑनलाइन लिंक भी उपलब्ध कराये जाते हैं। पाठक एक क्लिक के माध्यम से अणुविभा के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी जा सकता है। यह ई-पत्रिका अणुव्रत मीडिया व अनेकानेक व्हाट्सएप्प समूहों के माध्यम से 10 हजार से भी अधिक व्यक्तियों तक प्रति माह निःशुल्क भेजी जा रही है। पत्रिका का ई-संस्करण तैयार करने में श्री विवेक अग्रवाल, बेंगलुरु का सहयोग मिल रहा है।

संयोजक : श्री मनोज सिंघवी, मुम्बई
संपादक : संचय जैन, उदयपुर, सह सम्पादक : श्री मोहन मंगलम, जयपुर

39. "बच्चों का देश" मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित बाल मासिक "बच्चों का देश" का प्रकाशन नियमित व सुव्यवस्थित रूप से जारी है। पत्रिका से 425 लेखक और साहित्यकार जुड़े हुए हैं। पत्रिका की विषय-वस्तु नैतिकता, अणुव्रत और जीवन विज्ञान से सम्बन्धित और बालकों में सकारात्मक दृष्टिकोण के विकास को ध्यान में रखते हुए ली जाती है। साहित्य जगत में इस पत्रिका की चर्चा निरंतर बनी रहती है और सोशल मीडिया पर इसकी प्रशंसा में पोस्ट नियमित तौर पर देखी जा सकती है। पत्रिका की वर्तमान में औसत 3000 प्रतियाँ प्रकाशित हो रही हैं। एक स्वयंसेवी संस्था आईआईएफएल 4 वर्षों से इस पत्रिका की प्रतिमाह 1100 प्रतियाँ खरीद रही है। व्हाट्सएप्प पर "बीकेडी क्रिएटिविटी क्लब" नाम से देशभर के रुचिशील 100 बच्चों का समूह बना हुआ है जिसके माध्यम से बच्चों की ड्राइंग, कविताएँ और रचनात्मक गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं।

संपादक : संचय जैन, उदयपुर, सह सम्पादक : श्री प्रकाश तातेड़, उदयपुर

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी
अणुव्रत संकल्प यात्रा

अणुव्रत संकल्प यात्रा

अणुव्रत संकल्प यात्रा

40. पत्रिका प्रसार

अणुविभा का गौरवशाली प्रकाशन 'अणुव्रत' पत्रिका विगत सात दशकों से प्रकाशित हो रही है, वहीं 'बच्चों का देश' के प्रकाशन का रजत जयंती वर्ष चल रहा है। विशिष्ट व्यक्तियों, पुस्तकालयों आदि को नि:शुल्क पत्रिकाएँ भेज सकें, इस हेतु श्री रिखबचंद बैद (टी.टी. ग्रुप), श्री विमल बैंगाणी, दिल्ली और श्री जोधराज बैद, दिल्ली का विशेष अर्थ सहयोग प्राप्त हुआ। 'अणुव्रत' पत्रिका में एक वर्ष के लिए मुम्बई से श्री गणपत डागलिया का नियमित विज्ञापन प्राप्त हो रहा है। समितियों के माध्यम से दोनों पत्रिकाओं की प्रसार संख्या में वृद्धि हो, इस उद्देश्य से एक विशिष्ट योजना जुलाई माह से प्रारम्भ की गई। इस योजना के अन्तर्गत एक निर्धारित संख्या से अधिक सदस्य बनाने वाली अणुव्रत समितियों व अणुव्रत कार्यकर्ताओं को अणुव्रत अधिवेशन में सम्मानित किया गया। गुवाहाटी, बेंगलुरु सहित कई समितियों ने इस दिशा में अच्छा कार्य किया।

संयोजक : श्री सुरेन्द्र नाहटा, दिल्ली

41. पत्रिका सम्प्रेषण

अणुविभा के महत्वपूर्ण प्रकाशन 'अणुव्रत' एवं 'बच्चों का देश' के डाक द्वारा सदस्यों तक पहुँचने में आ रही निरन्तर शिकायतें संस्था के लिए एक बड़ी दुविधा का विषय थीं। इस समस्या के निवारण हेतु चिन्तन किया गया। अणुविभा अध्यक्ष व महामंत्री के विशेष आग्रह पर आकाशगंगा कोरियर के निदेशक के रूप में इस कम्पनी में मेरी सहभागिता के चलते कोरियर चार्ज में महत्वपूर्ण छूट प्राप्त करने में सफलता मिली। अब अधिकतम पत्रिकाएँ कोरियर से भेजी जा रही हैं जिससे सदस्यों को पत्रिका नहीं मिलने की शिकायतों में काफी कमी आयी है। अनेक अणुव्रत समितियों ने सक्रियता दिखाते हुए नये सदस्यों को जोड़ा है।

संयोजक : श्री सुभाष सिंघी, सिलीगुड़ी

42. अणुव्रत इतिहास

अणुव्रत प्रवर्तक आचार्य श्री तुलसी ने राष्ट्र की राजनैतिक स्वाधीनता के बाद नैतिकता और चरित्र निर्माण के महत्व को उजागर करते हुए अणुवत आन्दोलन के माध्यम से देश के नागरिकों को "असली आजादी" का मार्ग दिखलाया। तब से अब तक अणुव्रत आन्दोलन ने विभिन्न पड़ावों को पार करते हुए 75 स्वर्णिम वर्ष पूरे किए हैं। अणुविभा के तत्त्वावधान में अमृत महोत्सव के अवसर अणुव्रत आन्दोलन के घटनाक्रम, उपलब्धियों और विकास यात्रा को लिपिबद्ध करने का कार्य प्रगतिमान है। 75 वर्षों के पूरे इतिहास को समय के आधार पर पाँच कालखण्डों में बाँटकर लिपिबद्ध करने की योजना बनाई गई है। अणुव्रत इतिहास के कार्य हेतु एक परामर्शक मंडल बनाया गया है जिसमें डॉ.महेन्द्र कर्णावट, श्री संचय जैन, श्री मर्यादा कोठारी एवं श्री प्रमोद घोड़ावत शामिल हैं। इसकी दो बैठकें राजसमंद में आयोजित की गईं। विभिन्न प्रकाशित साहित्य को आधार सामग्री के रूप में उपयोग करने का निर्णय लिया गया जिसमें आचार्य श्री तुलसी की आत्मकथा "मेरा जीवन - मेरा दर्शन", अणुव्रत पत्रिका, विज्ञप्ति, तेरापंथ टाइम्स, अणुव्रत संस्थाओं के विविध प्रकाशन, प्रमुख अणुव्रत कार्यकर्ताओं के ग्रंथ एवं चारित्रात्माओं के अणुव्रत सम्बन्धित ग्रंथ शामिल हैं।

संयोजक : श्री प्रमोद घोड़ावत, दिल्ली

43. अणुव्रत वाहिनी

अणुव्रत आन्दोलन को और गतिशील करने के उद्देश्य से अणुविभा द्वारा अणुव्रत अमृत महोत्सव में अणुव्रत वाहिनी की परिकल्पना की गई। अणुव्रत समितियों द्वारा अपने आस-पास के क्षेत्रों में अणुव्रत के उद्देश्यों को जन-जन तक प्रचारित कर व्यक्ति-व्यक्ति में नैतिक एवं चारित्रिक मूल्यों का विकास हो सके, इस उद्देश्य से अणुव्रत वाहिनी की कार्ययोजना बनाकर अणुव्रत समितियों को भेजी गई। 20 अणुव्रत समितियों ने अणुव्रत वाहिनी प्रकोष्ठ का गठन कर इस दिशा में प्रयास किया। मुंबई समिति द्वारा अणुविभा की अणुव्रत यात्रा - वाहिनी का उपयोग कर चतुर्मास काल के दौरान मुंबई के कई क्षेत्रों में जागरुकता का कार्य किया गया।

संयोजक : श्री रमेश धोका, मुम्बई

44. अणुव्रत अमृत स्मारक

देश के विभिन्न शहरों व कस्बों में चौराहों, सड़कों व चौक आदि का अणुव्रत के नाम पर नामकरण हुआ है। इन अणुव्रत स्मारकों को लिपिबद्ध किया गया। साथ ही नये अणुव्रत सर्किल आदि के निर्माण हेतु एक मॉडल नक्शा बनाया गया ताकि भविष्य में एकरूपता के आधार पर कार्य हो सके।

संयोजक : श्री कैलाश बोराणा, बेंगलुरु

45. विद्यार्थी एवं शिक्षक अणुव्रत

विद्यालयों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच अणुव्रत की बात को प्रभावी तरीके से ले जाने के लिये एक कार्य योजना तैयार की गई। इसके अन्तर्गत अणुव्रत के विभिन्न शिक्षा आधारित प्रकल्पों में भाग लेने वाले विद्यालयों, शिक्षकों व विद्यार्थियों के डाटा को ऑनलाइन सूचीबद्ध किया जा रहा है। शिक्षा से जुड़े हुए इन प्रकल्पों में शामिल हैं - जीवन विज्ञान, अणुव्रत बालोदय, अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट, बच्चों का देश, किडजोन, बालोदय एज्यूटूर, स्कूल विद ए डिफरेन्स, अणुव्रत परीक्षा, नशामुक्ति, पर्यावरण जागरुकता आदि। केन्द्रीयकृत डाटा बैंक से जहाँ इन प्रकल्पों के प्रभावी संचालन में सहयोग मिलेगा, वहीं समय-समय पर बच्चों को ऑनलाइन प्रवृत्तियों से जोड़ा जा सकेगा। इस कार्य हेतु ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बनाने की प्रक्रिया चल रही है। प्लेटफॉर्म तैयार होने के बाद अणुव्रत शिक्षक संसद और अणुव्रत छात्र संसद को नए प्रारूप में पुनर्जीवित करने का प्रयास किया सकेगा।

संयोजक :श्रीमती रचना कोठारी, चूरू

णुविभा केन्द्र

HANS ALLOYS
Welcomes You

46. अणुव्रत परीक्षा

अणुव्रत के दर्शन पर आधारित अणुव्रत परीक्षा का आयोजन पूर्व के वर्षों में किया जाता रहा है। वर्तमान में इस प्रकल्प को किस रूप में आगे बढ़ाया जाये, इस पर प्रारम्भिक चिन्तन हुआ है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए आकर्षक स्वरूप में प्रस्तुत करने की दिशा में प्रयास प्रारम्भ किये गये हैं। आगामी शैक्षिक सत्र में इस योजना को अमली जामा पहनाया जा सकेगा, यह प्रयास है।

संयोजक : श्री अर्जुन मेड़तवाल, सूरत

47. अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्र

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा प्रदत्त एक महत्वपूर्ण प्रकल्प है-अहिंसा प्रशिक्षण। इस कार्यक्रम को व्यवस्थित स्वरूप दिया जाये इस हेतु राजस्थान सरकार के शान्ति व अहिंसा विभाग के साथ संवाद किया गया। इस बीच राजसमंद में अहिंसा प्रशिक्षण केन्द्र का प्रायोगिक रूप में संचालन किया जा रहा है एवं प्रयास है कि इसे मॉडल केन्द्र के रूप में विकसित किया जा सके ताकि अन्य इच्छुक अणुव्रत समितियाँ भी इस मॉडल को अपना सकें। अहिंसा प्रशिक्षण का एक ऑनलाइन कोर्स विकसित किया जा सके, इस दिशा में भी प्रारम्भिक चिन्तन हुआ है।

संयोजक : श्री विमल गोलछा, जयपुर

48. अणुव्रत मीडिया

अणुव्रत की गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से अणुव्रत मीडिया विभाग का गठन किया गया। इसमें प्रचार-प्रसार मन्त्री धर्मेन्द्र डाकलिया के साथ ही संयोजक पंकज दुधोड़िया, सह-संयोजक वीरेंद्र बोहरा, जयंत सेठिया, संतोष सेठिया, अमित कांकरिया, महावीर बडाला ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से अणुव्रत आंदोलन की गतिविधियों को प्रचारित-प्रसारित किया। विभिन्न प्रकल्पों के संयोजकों के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष अवसरों पर मीडिया टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए समाचार प्रेषण का कार्य किया। समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम निरंतर चलने वाले इस कार्य को मनोयोग के साथ आगे बढ़ा रही है।

संयोजक : श्री पंकज दुधोड़िया, कोलकाता

49. अन्य विविध

जेल सुधार अभियान - संयोजक श्री अमित नाहटा, सर्वधर्म सद्भाव - संयोजक श्री राजकुमार चपलोत, अणुव्रत फॉर कॉर्पोरेट्स - संयोजक श्री विजयसिंह संचेती, ग्लोबल ई-मैगज़ीन - संयोजक श्री पी. सी. जैन, अणुव्रत समूह - संयोजक श्री अरुण श्रीमाल, अणुव्रत अमृत महोत्सव पोस्टल स्टाम्प - संयोजक श्री धर्मेन्द्र डाकलिया आदि क्षेत्रों में प्रारंभिक कार्य हुआ है जिसे आने वाले समय में व्यवस्थित कार्यान्वयन के स्तर पर पहुँचाने का प्रयास रहेगा।

50. अणुव्रत अमृत महोत्सव संपूर्ति समारोह (स्थानीय)

10, 11 व 12 मार्च 2024 को जहाँ अणुव्रत अनुशास्ता के सान्निध्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम महाराष्ट्र के महाड़ में आयोजित हुए, वहीं देशभर में अणुव्रत समितियों व अणुव्रत मंचों ने भी अणुव्रत अमृत महोत्सव संपूर्ति समारोह का आयोजन अपने-अपने स्तर पर किया। सभी को यह विकल्प दिया गया कि अमृत महोत्सव हेतु निर्धारित किसी भी कार्यक्रम की आयोजना वे कर सकते हैं। परिणामस्वरूप अणुव्रत काव्यधारा, अणुव्रत वाटिका उद्घाटन, अणुव्रत प्रदर्शनी, अणुव्रत व्याख्यानमाला जैसे वैविध्यपूर्ण आयोजनों ने अणुव्रत अमृत महोत्सव की सम्पन्नता को और भी अधिक यादगार बना दिया। 50 से अधिक स्थानों पर ये कार्यक्रम आयोजित किए जाने की सूचना है।

संयोजक : श्रीमती रचना कोठारी, चूरू

51. अणुव्रत अमृत महोत्सव संपूर्ति समारोह (केन्द्रीय)

अणुव्रत अमृत महोत्सव की सम्पन्नता के अवसर पर अणुव्रत अनुशास्ता के सान्निध्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई। 10, 11 व 12 मार्च 2024 को महाराष्ट्र के महाड़ में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 200 अणुव्रत कार्यकर्ताओं व अतिथियों की सहभागिता रही। इस समारोह के मुख्य आकर्षण रहे - अणुव्रत आंदोलन की 75 वर्षों की सुदीर्घ अमृत यात्रा में विशिष्ट सहयोग देने वाले अणुव्रत कार्यकर्ताओं का सम्मान, अमृत महोत्सव की विशिष्टताओं पर आधारित डॉक्यूमेंट्री की प्रस्तुति, एल्बम के रूप में "75 वर्ष के गौरवशाली इतिहास की 75 झलकियाँ" व "अमृत महोत्सव की झलकियाँ" श्रीचरणों में भेंट, अणुव्रत पत्रिका का "अणुव्रत अमृत विशेषांक" श्रीचरणों में भेंट, अणुव्रत नाटिका की प्रस्तुति, समूह गीत की प्रस्तुति एवं विशिष्ट उद्बोधन व वक्तव्य। सम्पूर्ति समारोह के सह-संयोजक श्री महेंद्र मारलेचा, श्री लादूलाल गाँधी व श्री राजेश मेहता का सम्पूर्ण आयोजन में विशेष सहयोग रहा।

संयोजक : श्री उत्तमचंद पगारिया, कोल्हापुर

सम्मान समारोह संयोजक : श्री मर्यादा कोठारी, जोधपुर

अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति समारोह

अणुव्रत अनुशास्ता के सान्निध्य में 3 दिवसीय आयोजन के साथ ही अमृत वर्ष कार्यक्रमों की शृंखला हुई सम्पन्न

प्रथम दिवस
10 मार्च 2024
महाड़ (रायगढ़-महाराष्ट्र)

10 से 12 मार्च 2024 को आयोजित तीन दिवसीय अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति समारोह के साथ ही वर्ष पर्यन्त चले अमृत महोत्सव के कार्यक्रम सम्पन्न हो गये। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में आयोजित सम्पूर्ति समारोह में देश के विभिन्न भागों से समागत अणुव्रत कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। 10 मार्च को पहले दिन का कार्यक्रम महाड़ (महाराष्ट्र) के बी. एस. बुटाला हॉल में देश पूर्व गृहमंत्री व लोकसभा अध्यक्ष श्री शिवराज पाटिल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में ऐसे विशिष्ट व्यक्तियों की सेवाओं को याद किया गया, सम्मानित किया गया जिन्होंने अपनी श्रम-बूँदों से सींच कर अणुव्रत आंदोलन को इन 75 वर्षों के सुदीर्घ काल में विकसित और व्यापक बनाया। इस मौके पर एक चित्र-प्रदर्शनी भी लगायी गयी जिसमें अणुव्रत इतिहास के "75 वर्षों की 75 झलकियाँ" और "अणुव्रत अमृत महोत्सव : एक विहंगावलोकन" के माध्यम से 51 प्रकल्पों की प्रस्तुति की गयी।

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण ने प्रथम दिन उपस्थित जनमेदिनी को सम्बोधित करते हुए कहा - "आचार्य श्री तुलसी जिन्होंने अणुव्रत आंदोलन चलाया था, वे जीवन के बारहवें वर्ष में साधु बन गये थे। द्वितीय अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाप्रज्ञ जीवन के ग्यारहवें वर्ष में साधु बन गये थे। साधुओं के लिए महाव्रत का मार्ग है लेकिन हर कोई साधु नहीं बन सकता है। इसीलिए आमजन के लिए, गृहस्थों के लिए अणुव्रत का मार्ग है। अणुव्रत का जीवन जीओ। यह भी अपने आप में एक अच्छी जीवनशैली का उपाय है, सिद्धांत है, तत्त्व है। वैसे अणुव्रत हमारे जैन आगमों में भी आता है, मगर आचार्य श्री तुलसी ने इसे व्यापक रूप दिया और बताया कि जैन-अजैन कोई भी हो, किसी भी धर्म को मानो या मत मानो, किसी गुरु को मानो, मत मानो, इन सबको यथावत रखते हुए भी आप अणुव्रती बन सकते हैं। अणुव्रत कोई संप्रदाय वाला धर्म नहीं है। किसी देवता को मानो, किसी संप्रदाय को मानो, मत मानो, कोई भी अणुव्रत को स्वीकार कर सकता है। अणुव्रती बनने के लिए आचार्य तुलसी को अपना गुरु मानना जरूरी नहीं है। आप बस अच्छे नियमों को, संकल्पों को स्वीकार कर लो, जिससे आपकी चेतना अच्छी रहे, जीवन अच्छा रहे।"

आचार्य प्रवर ने कहा, "मैं तो यहाँ तक कहता हूँ - कोई नास्तिक आदमी है, वह भी अणुव्रती बन सकता है, अणुव्रत की आचार संहिता स्वीकार कर सकता है, नैतिकता को मानता है, अहिंसा को मानता है, संयम को मानता है तो ऐसा आदमी अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी का अध्यक्ष भी कभी बन सकता है। इस बात को लेकर मैं कभी आपत्ति नहीं करूँगा कि वह धार्मिक नहीं है, आस्तिक नहीं है। अणुव्रत में सबका समावेश है। हिन्दू हो, मुस्लिम हो, सिख हो, ईसाई हो, आस्तिक हो, नास्तिक हो, अणुव्रत के सभागार में हर कोई बैठ सकता है। बस, नैतिकता के प्रति निष्ठा होनी चाहिए, संयम के प्रति निष्ठा होनी चाहिए, सद्भावना-अहिंसा के प्रति निष्ठा होनी चाहिए।" आचार्यश्री ने कहा कि "आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन चलाया, आचार्य महाप्रज्ञ का

यादगार झलकियाँ

अणुव्रत अनुशास्ता के आशीर्वाद से कार्यकर्ता अभिभूत

अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति समारोह के तीन दिवसीय आयोजन हेतु 9 मार्च को ही अणुव्रत कार्यकर्ताओं का आगमन प्रारम्भ हो गया था। अणुविभा अध्यक्ष अविनाश नाहर व महामंत्री भीखम सुराणा सबसे पहले पहुँचने वालों में थे। शाम होते-होते अणुविभा के प्रबंध न्यासी श्री तेजकरण सुराणा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री प्रताप दुगड़, अमृत महोत्सव के संयोजक श्री संचय जैन सहित 70 से अधिक कार्यकर्ता महाड़ पहुँच चुके थे। रात्रि लगभग 8:00 बजे जब अणुविभा टीम अणुव्रत अनुशास्ता के सान्निध्य में पहुँची तो एक आत्मीय संवाद का अनौपचारिक क्रम प्रारम्भ हो गया। आचार्य प्रवर ने सभी कार्यकर्ताओं को अपने निकट बुला लिया। अणुव्रत अमृत महोत्सव के दौरान व्यापक स्तर पर हुए कार्यक्रमों अणुव्रत गीत महासंगान की विशालता, अणुव्रत आंदोलन के वर्तमान स्वरूप, अणुविभा द्वारा अपनाये गये आर्थिक शुचिता के मापदंड, अणुव्रत के बैनर पर चल रही संस्थाओं की भूमिका पर विशद् चिन्तन हुआ। अमृत वर्ष, अणुव्रत आन्दोलन व अणुव्रत कार्यकर्ताओं को मिल रहे अणुव्रत अनुशास्ता के विरल आशीर्वाद से अभिभूत कार्यकर्ताओं ने आचार्य प्रवर के प्रति अपनी भावभीनी कृतज्ञता व्यक्त की। लगभग आधा-पौन घंटे चले चिन्तन के इस क्रम में आचार्य प्रवर की प्रसन्नमुद्रा कार्यकर्ताओं के उत्साह को शतगुणित कर रही थी।

अणुव्रत अमृत
सम्पूर्ति
75
अणुव्रत आंदोलन
पावन सान्निध्य
अणुव्रत

75
अणुव्रत आंदोलन

अनुशास्तृत्व इसे प्राप्त हुआ और आज भी यह गतिमान है। अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष - अणुव्रत आंदोलन का 75वां वर्ष संपन्नता के करीब आ गया। इस संदर्भ में कार्यक्रम हो रहे हैं। अणुव्रत के लिए कितने लोगों ने श्रम किया है। नींव के पत्थर की बात है। ताजमहल दूर से कितना बढ़िया लगता है। ताजमहल के नीचे नींव में जो पत्थर लगे हैं, वे पत्थर दिखते तो नहीं हैं, मगर ताजमहल नींव के उन पत्थरों के आधार पर ही खड़ा है। इसी तरह अणुव्रत का प्रारंभ हुआ, तो कितने नींव के पत्थर बने । वे दिखायी दें या नहीं दें, मगर किसी इमारत को खड़ा रखने में नींव के पत्थर का बहुत बड़ा महत्व होता है। परमपूज्य गुरुदेव तुलसी का तो कितना वर्णन करें, कई चारित्रात्माओं का, साधुओं का अणुव्रत के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। समणीवृंद ने, गृहस्थों में भी कितने-कितने कार्यकर्ताओं ने अणुव्रत के प्रचार-प्रसार में अपना योगदान दिया है। इसके लिए वे तपे होंगे, खपे होंगे। आज भी कार्यकर्ता अपना श्रम, समय और शक्ति लगा रहे हैं। अणुव्रत अमृत वर्ष के कार्यक्रमों के सिलसिले में भी कितना श्रम हुआ है।"

अणुव्रत अनुशास्ता ने कहा - "अणुव्रत अच्छा जीवन जीने का एक तरीका है। नैतिकता, संयम और अहिंसा से जुड़ा हुआ यह कार्यक्रम है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता और चुनावशुद्धि भी अणुव्रत के कार्य हैं। लोकसभा का चुनाव निकट आ रहा है, इस चुनाव में भी अणुव्रत का प्राधान्य रहे। वोट देने वाले और वोट लेने वाले संयम और नैतिकता को काम में ले सकें। अणुव्रत विश्व भारती भी इस संदर्भ में जितना उचित हो, अच्छी प्रेरणा देने का कार्य करे। कैसे चुनाव में शुद्धता रह सके, इस पर भी ध्यान देना आवश्यक है।"

आचार्य प्रवर ने कहा कि "कई अणुव्रत कार्यकर्ताओं की दूसरी-तीसरी पीढ़ी के लोग भी आज अणुव्रत से जुड़े हुए हैं और यहाँ उपस्थित हैं, उनमें ऐसी भावना होनी चाहिए कि हमारे पुरखों ने अणुव्रत के प्रचार-प्रसार में योगदान दिया, हम भी इस क्षेत्र में योगदान देने का प्रयास करते रहें। अहिंसा का, नैतिकता का, संयम का, अणुव्रत का जितना प्रसार हो सके, यथासंभव होता रहे। समापन से संदर्भित यह त्रि-दिवसीय कार्यक्रम है। अणुव्रत अमृत वर्ष का तो समापन हो सकता है, अणुव्रत का कार्य लंबे समय तक चलता रहे, यह काम्य है।" इससे पहले वरिष्ठ राजनेता तथा अणुव्रत महासमिति के अध्यक्ष रहे शिवराज पाटिल ने अपने उद्बोधन में कहा - "मैं यहाँ आचार्य श्री महाश्रमण जी के विचारों को सुनने आया हूँ, कुछ सुनाने के लिए नहीं। पहली बार जब मैं पूर्व आचार्यश्री से मिलने गया था तो मन में विचार आया कि बार-बार उनसे मिलूं और मैं ऐसा करता भी रहा। वे जो भी कहते थे, मैं सुनता था और उनके विचारों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करता था। अणुव्रत के संबंध में काफी ग्रंथों का निर्माण हुआ है। आचार्य श्री तुलसी और आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने ये पुस्तकें लिखीं और वे सारी की सारी करीब 50-60 पुस्तकें मुझे दीं। उन पुस्तकों के अंदर मनुष्य को सुख-शांति कैसे मिल सकती है, इसके लिए क्या करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए, इसका भी जिक्र है। इन तथ्यों पर विचार करके जब हम अपना जीवन जीने की कोशिश करते हैं, तो उससे शांति भी मिल सकती है और सुख भी मिल सकता है। अणुव्रत में वह ताकत है।"

उन्होंने कहा - "दुनिया में बहुत सारे धर्म हैं। सभी धर्मों के अंदर ऐसी बातें बतायी गयी हैं। संघर्ष की स्थिति तब उत्पन्न हो जाती है जब कोई धर्म विशेष स्वयं को बड़ा बताने की बात करता है। जब चुनाव होते हैं तो चुनाव में हम स्वयं को बड़ा समझते हैं और दूसरों को छोटा समझते हैं। लोगों को बताते हैं कि हमें ही चुनकर भेजें। इस वजह से वैसा ही संघर्ष होता है, जैसे पहले राजाओं के समय में होता था। ऐसा नहीं होना चाहिए। अणुव्रत के विचार ऐसे हैं कि जिन पर अमल किया जाये तो हम सभी एक रह सकते हैं। मनुष्यों में एकता बढ़ाने की जरूरत है। प्राणियों और वनस्पतियों में भी एकता बढ़ाने की जरूरत है। अणुव्रत के प्रयत्नों से ही एकता बढ़ सकती है। वेदों में लिखा गया है कि जमीन की शक्ति है, वनस्पति की शक्ति है, पानी की शक्ति है, सूर्य की किरणों से भी पोषण मिलता है। तो सारी प्राकृतिक शक्तियां जब एक हो जाती हैं, तो यह पृथ्वी और उस पर जीने वाले सभी प्राणियों और वनस्पतियों के लिए अच्छा होता है। इसके लिए एकता सर्वाधिक जरूरी है। महाभारत भी हुआ। पहला और दूसरा विश्व युद्ध भी हुआ। इनमें काफी विध्वंस हुआ। आज के परमाणु अस्त्रों के युग में यदि विश्व युद्ध हो गया तो उससे होने वाली हानियों की कल्पना भी नहीं की जा सकती। ऐसी नौबत नहीं आये, इसके

यादगार झलकियाँ

गुरुदेव की कृपा दृष्टि : लम्बा चला कार्यक्रम

10 मार्च को सम्पूर्ति समारोह अणुव्रत कार्यकर्ता सम्मान को समर्पित था। भारत के पूर्व गृहमंत्री व पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्री शिवराज पाटिल के मुख्य आतिथ्य में लगभग 75 कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाना था। कार्यक्रम की पूर्व रात्रि जब अणुविभा अध्यक्ष अविनाश नाहर ने आचार्य प्रवर के समक्ष कार्यक्रम की रूपरेखा रखी और इस हेतु लगभग ढाई-तीन घंटा गुरुदेव के सान्निध्य हेतु अनुरोध किया, उस क्षण चिन्तन की मुद्रा के बाद आचार्यश्री ने वरिष्ठतम मुनिश्री दिनेश कुमारजी व मुनिश्री विश्रुत कुमारजी को याद किया। संक्षिप्त चर्चा के बाद जब प्रस्तावित कार्यक्रम को स्वीकृति मिल गयी तो कार्यकर्ताओं के चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे। प्रवचन के समय अणुव्रत के कार्यक्रम को इतना समय प्रदान करना आचार्यश्री की कृपा दृष्टि को दर्शा रहा था।

लिए हम लोगों को अपने अंदर जो अच्छाइयां हैं, उन्हें दूसरों तक पहुँचाना है और दूसरों के अंदर जो अच्छाइयां हैं, उन्हें अपने जीवन में काम में लेना है। और यह कार्य अणुव्रत के माध्यम से हो सकता है। अणुव्रत मानवीय एकता की बात सिखाता है, साथ रहने की सीख देता है।"

अणुव्रत अमृत महोत्सव के संयोजक संचय जैन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा - "वैश्विक दृष्टि से कहें तो मानवीय मूल्यों के पोषक एक आंदोलन द्वारा 75 वर्षों का सुदीर्घ सफर तय करना आंदोलनों के विश्व इतिहास की एक विशिष्ट घटना है। अणुव्रत के इसी माहात्म्य के दृष्टिगत अणुव्रत अनुशास्ता ने इसे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए अणुव्रत अमृत महोत्सव के मौके पर अपनी पदयात्रा को "अणुव्रत यात्रा" के रूप में घोषित कर इस महोत्सव को चिर-स्मरणीय बना दिया। एक महान आचार्य को पैदल चलते हुए, आमजन के बीच जाकर उनसे संवाद करते हुए, सुखी जीवन के सार तत्त्व से परिचित कराते हुए और अपने श्रीमुख से उन्हें सद्भावना, नैतिकता और नशामुक्ति का संकल्प दिलाते हुए देखना जनता के लिए निश्चय ही एक रोमांचक अनुभव रहा।"

अणुव्रत अमृत महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक संचय जैन ने कहा - "अमृत वर्ष के दौरान अणुव्रत संस्थाओं को, अणुव्रत कार्यक्रमों और अणुव्रत कार्यकर्ताओं को अणुव्रत अनुशास्ता का जो आशीर्वाद, मार्गदर्शन और सान्निध्य प्राप्त हुआ, वह समूचे आंदोलन को एक नयी ताकत और गति देने वाला सिद्ध हुआ है। अमृत वर्ष में प्रवृत्तियों की लम्बी सूची कार्यकर्ताओं के लिए एक चुनौती रही, वहीं इसने चुनौतियों से लड़ने का जज्बा भी पैदा किया। आयोजनों की संख्या कई हजार पहुँच गयी। अणुव्रत गीत महासंगान अमृत वर्ष का सबसे विशाल आयोजन सिद्ध हुआ। प्राप्त सूचनाएं इंगित करती हैं कि पूरे वर्ष में हम 1 करोड़ से भी अधिक लोगों तक अणुव्रत का संदेश पहुँचाने में सफल रहे। अणुव्रत के इतिहास में यह एक बड़ी उपलब्धि है।"

उन्होंने आगे कहा - "अणुव्रत अमृत महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक के नाते मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि देशभर में सक्रिय हजारों कार्यकर्ताओं ने अपनी श्रमशीलता और समर्पण भाव का जो परिचय दिया है, वह इस बात को सिद्ध करता है कि आज के आपाधापी के युग में भी पर-कल्याण की निःस्वार्थ भावना से काम करने वाले सुनागरिकों की कमी नहीं है, बशर्ते उन्हें एक रचनात्मक मंच उपलब्ध हो सके। गुरुदेव जितने भी प्रकल्प संयोजक रहे, संयोजक होने के नाते मैं उनके प्रति भी बहुत-बहुत कृतज्ञता और धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ और मेरे से कोई कमी रही हो तो मैं बारंबार खमत खामणा करता हूँ। मैं अपने दायित्व निर्वहन में कितना खरा उतरा, इसका मूल्यांकन तो गुरुदेव की दृष्टि ही करेगी, मुझ से किसी भी प्रकार की कोई कमी रही हो या प्रमाद हुआ हो तो मैं सरल हृदय से क्षमायाचना करता हूँ। स्वास्थ्य कारणों से कुछ व्यवधान आये लेकिन गुरु-आशीर्वाद ने समाधान के रास्ते भी प्रशस्त किये। आचार्य श्री तुलसी, आचार्य श्री महाप्रज्ञ और आचार्य श्री महाश्रमण का वरद हस्त मैंने सदैव अपने मस्तक पर अनुभव किया है। इस शब्दातीत अनुभव को दिल में सहेजे रखना एक आध्यात्मिक और आत्मिक अनुभूति से गुजरने जैसा है। इस विरल अनुभूति से पल भर के लिए भी दूर न रहूँ, बस यही कामना है।"

कार्यक्रम में अणुव्रत आंदोलन के प्रारंभिक काल से जुड़े रहे पुरोधाओं का सम्मान किया गया। ऐसे अनेक विशिष्टजनों के परिवारजन सम्मान प्राप्त करने के लिए उपस्थित हुए। अणुव्रत के विभिन्न सम्मानों, पुरस्कारों और सम्बोधनों से सम्मानित अनेक कार्यकर्ताओं तथा अणुव्रत की केंद्रीय संस्थाओं में अध्यक्ष या महामंत्री के रूप में सेवाएँ देने वाले कार्यकर्ताओं का भी इस अवसर पर सम्मान किया गया।

सम्मान प्राप्तकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करते हुए श्री तेजकरण सुराणा और श्री भीखमचंद कोठारी 'भ्रमर' ने अपने उद्गार व्यक्त किये। अणुविभा के महामंत्री भीखम सुराणा एवं सम्मान समारोह के संयोजक मर्यादा कोठारी ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया।

इस अवसर पर सम्मान प्राप्तकर्ताओं का संक्षिप्त परिचय भी मौखिक और स्क्रीन पर प्रस्तुत किया गया। सम्पूर्ति समारोह के सह-संयोजक लादूलाल गाँधी ने आभार ज्ञापन किया।

यादगार झलकियाँ

श्री शिवराज पाटिल की गरिमामयी उपस्थिति

अणुव्रत के लिए श्री शिवराज पाटिल का व्यक्तित्व अपनी अलग ही विशिष्टता रखता है। श्री पाटिल का अणुव्रत आन्दोलन से बहुत निकट का जुड़ाव रहा। आचार व विचार की दृष्टि से वे अणुव्रत दर्शन के बहुत नजदीक हैं। अणुव्रत पुरस्कार से सम्मानित श्री शिवराज पाटिल द्वारा अणुव्रत महासमिति का अध्यक्षीय दायित्व सम्भालना इतिहास की एक विशिष्ट घटना है। 88 वर्ष की उम्र में दिल्ली से चलकर अणुव्रत अमृत सम्पूर्ति समारोह में महाड़ पहुँचना अणुव्रत के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिचायक है। महाड़ आगमन पर अणुविभा के वरिष्ठ पदाधिकारीगण ने उनका स्वागत किया। लम्बी अनौपचारिक बातचीत में श्री पाटिल ने आचार्य श्री तुलसी के साथ अपनी स्मृतियों को ताजा किया और देश की वर्तमान परिस्थितियों में अणुव्रत की बढ़ती उपादेयता पर विचार रखे। 10 मार्च को लम्बे चले मुख्य कार्यक्रम के पश्चात् आचार्य प्रवर ने अणुव्रत के प्रारम्भिक पुरोधा रहे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के परिवार जनों को दर्शन, सेवा व संवाद का विशेष अवसर प्रदान किया। आचार्य प्रवर द्वारा विश्राम को गौण कर कार्यकर्ताओं के श्रम का सम्मान करना वहाँ उपस्थित सभी लोगों को आत्मीय भाव की अनुभूति करा रहा था।

समर्पण समारोह
आचार्य श्री महाश्रमण

तीर्थंकर समवसरण
समर्पण समारोह
आचार्य श्री महाश्रमण

द्वितीय दिवस
11 मार्च 2024 बेहुर
(रायगढ़-महाराष्ट्र)

अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति समारोह के द्वितीय दिवस के सभी कार्यक्रमों का केन्द्र रहा महाड़ का समीपस्थ ग्राम बेहुर। कार्यक्रम की शुरुआत में अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी द्वारा अणुव्रत गीत के संगान और 'संयमः खलु जीवनम् - संयम ही जीवन है'', 'बदले युग की धारा : अणुव्रतों के द्वारा' सरीखे नारों से सारा वातावरण अणुव्रतमय हो गया। इस अवसर पर अणुव्रत अनुशास्ता ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा, "ज्ञान अपने आप में जीवन की एक उपलब्धि है, परंतु ज्ञान के साथ बच्चों को अच्छे संस्कारों की शिक्षा भी दी जाये। शिक्षा संस्थानों में संस्कारयुक्त शिक्षा दी जाये। ये अच्छे संस्कार हैं - अहिंसा का संस्कार, संयम का संस्कार, विनम्रता का संस्कार, ईमानदारी का संस्कार, निर्भीकता का संस्कार, निरहंकारिता का संस्कार। विद्यार्थी अभय हो, न स्वयं डरे न किसी को डराये। सभी मनुष्यों के साथ, सभी प्राणियों के साथ मैत्री का भाव हो। विद्यार्थियों को नशीली वस्तुओं के सेवन से मुक्त रहने के प्रति जागरूक किया जाये।"

आचार्य प्रवर ने कहा कि अणुव्रत आंदोलन में ईमानदारी की बात है, संयम की बात है, अहिंसा की बात है। परम पूजनीय आचार्य श्री तुलसी अणुव्रत आंदोलन के प्रवर्तक थे। उन्होंने अणुव्रत की बात बतायी। अणु यानी छोटा, व्रत यानी नियम अर्थात् अच्छे-अच्छे छोटे-छोटे नियमों से, छोटे-छोटे संकल्पों से जीवन को सत्पथ पर लाना। आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत आचार संहिता के साथ ही अध्यापकों, विद्यार्थियों आदि के लिए वर्गीय अणुव्रत का भी निर्माण किया।

अहिंसा, नैतिकता, सद्भावना, नशामुक्ति - ऐसे संकल्प किसी भी रूप में स्वीकृत हों तो आदमी का जीवन अच्छा रह सकता है। आज दुनिया में विकास भी हो रहा है। आज इतने शिक्षा संस्थान हैं। जगह-जगह स्कूल-कॉलेज, यूनिवर्सिटी, कहीं मान्य विश्वविद्यालय, कहीं बड़े विश्वविद्यालय हैं। ज्ञान के लिए इतना अधिक प्रयत्न हो रहा है। कितने विद्यार्थी ज्ञानार्जन के लिए भारत से बाहर जाते हैं और कितने विद्यार्थी बाहर से भारत आते भी हैं। गाँवों में भी शिक्षा के प्रति रुझान है, समर्पण है कि शिक्षा का विकास हो। यह शिक्षा के प्रति समर्पण और रुझान का प्रतीक है। शिक्षा के प्रसार के लिए प्रयत्न किये जा रहे हैं कि अज्ञानता न रहे, निरक्षरता न रहे। विद्या विनयेन शोभति - विद्या विनय से शोभित होती है। विद्यावान विनयवान भी बने और विवेकवान भी बने। विद्या, विनय और विवेक की त्रिवेणी रहे। द्वितीय अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी प्रेक्षाध्यान और जीवन विज्ञान की बात बताते थे। ये अध्यात्म और जीवन-संस्कार से जुड़ी चीजें हैं। इनका जितना उपयोग हो सके, किया जाना चाहिए।

आचार्य श्री महाश्रमण ने कहा - "अणुव्रत विश्व भारती अब बड़ी संस्था बन गयी है, जिसके पास अनेक गतिविधियां हैं। अणुव्रत, जीवन विज्ञान, अणुव्रत बालोदय, किडजोन आदि गतिविधियां भी हैं। इसका कार्यक्षेत्र व्यापक है। इसका कार्यक्षेत्र केवल जैन समाज ही नहीं, केवल भारत के अंदर नहीं, बल्कि भारत के बाहर भी अणुव्रत का कार्य हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन होता है। अणुव्रत भारत में चाहिए तो भारत के बाहर भी इसकी उपयोगिता हो सकती है। विद्यार्थी चाहे भारत के हों या भारत के बाहर के हों, इस पीढ़ी में ज्ञान के साथ-साथ अच्छे संस्कारों की बात पुष्ट रहे। बाल पीढ़ी किसी भी समाज के लिए बड़ी संपदा होती है। बाल पीढ़ी और नवयुवक पीढ़ी यदि अच्छी बनी तो समाज का भविष्य भी अच्छा हो सकता है, राष्ट्र का भविष्य भी अच्छा हो सकता है। ज्ञानशालाएं बाल पीढ़ी को ज्ञान संपन्न, संस्कार संपन्न बनाने का अच्छा माध्यम बन सकती हैं। इसलिए नयी पीढ़ी पर बड़ों का अच्छा ध्यान रहना जरूरी है। नयी पीढ़ी नशामुक्त रहे, आवेश में न आये, आवेगों पर नियंत्रण करना सीखे, बेईमानी में न जाये, सरलता-विनम्रता के संस्कार हों।

सभी प्राणियों और वनस्पति जगत के प्रति भी मैत्री और अहिंसा का भाव रहे। पेड़ों को काटने से बचने का प्रयास हो। पानी का अनावश्यक अपव्यय न हो। धार्मिक ग्रंथों में अहिंसा की बात बतायी गयी है, अन्य

यादगार झलकियाँ

सर्वधर्म सद्भाव का अनूठा दृश्य

11 मार्च का कार्यक्रम एक छोटे गाँव बुहेर के फ़जंदार इंग्लिश मीडियम स्कूल में था। कार्यक्रम में स्कूल के बच्चे भी उपस्थित थे। स्कूल के प्रिंसिपल राहिल फ़जंदार ने अणुव्रत अनुशास्ता का स्वागत करते हुए कहा कि अणुव्रत यात्रा के माध्यम से आप सद्भावना, नैतिकता व नशामुक्ति का जो संदेश दे रहे हैं, यह मानवता की बड़ी सेवा है। आचार्य प्रवर ने विद्यालय के शिक्षक वर्ग को सम्मान प्रदान करते हुए आगे बुलाया व अणुव्रत यात्रा के इन तीनों उद्देश्यों पर विस्तार से बात की। वहाँ उपस्थित 200 से अधिक छात्र-छात्राओं व शिक्षक-शिक्षिकाओं की सहमति पर आचार्य प्रवर ने सभी को जीवन में सद्भावनापूर्ण व्यवहार करने, यथासम्भव ईमानदारी का पालन करने व नशा न करने का संकल्प दिलाया। लगभग सभी बच्चे मुस्लिम समुदाय के थे। समूचा माहौल धार्मिक सद्भाव का अनूठा दृश्य उपस्थित कर रहा था।

अच्छी बातें बतायी गयी हैं, मगर इनकी उपयोगिता तभी है जब ये बातें हमारे जीवन में आएं, व्यवहार में आएं। अणुव्रत की बातें पुस्तिका के साथ ही व्यक्ति के दिमाग में भी रहनी चाहिए। फिर व्यक्ति कार्यालय में, दुकान में, वाहन में, जहाँ भी जाएगा, अणुव्रत उसके साथ रहेगा और वह हर जगह अणुव्रत के अनुकूल व्यवहार करेगा। अणुव्रत आंदोलन मानवता की दृष्टि से मानव कल्याण का उपक्रम है। विद्या संस्थान से जुड़े बच्चों में ज्ञान भी बढ़े और ज्ञान के साथ संयम के संस्कार सहित अन्य अच्छे संस्कार भी पुष्ट होते रहें, यह काम्य है।" आचार्य श्री ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित मुस्लिम समाज के लोगों और बच्चों के साथ संवाद शैली में बात की और उन्हें सद्भावना, नैतिकता और नशामुक्ति का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मुनिश्री दिनेश कुमार ने अणुव्रत नाटिका की सराहना की और अणुव्रत कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्द्धन किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा व संयोजना में निरंतर आपका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

अणुविभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश नाहर ने आचार्य प्रवर, चारित्रात्माओं तथा उपस्थित विशिष्टजनों का हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया। उन्होंने कहा कि "हमें प्रसन्नता है कि आज मुस्लिम समाज के इस स्कूल में पूज्य प्रवर का पधारना हुआ है। निश्चित ही इस स्कूल के माध्यम से यह नयी शुरुआत अणुव्रत आंदोलन को और शक्ति प्रदान करेगी। शिक्षा प्राप्ति के साथ ही बच्चों का भावनात्मक विकास भी हो, इसके लिए हमारा एक पाठ्यक्रम है जीवन विज्ञान जो तीसरी क्लास से लेकर दसवीं क्लास तक का है। बच्चों के लिए हमारे पास 20 मिनट का कार्यक्रम है - प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान। जब जीवन विज्ञान के इस प्रायोगिक रूप को आप शुरू करेंगे तो फर्क आपको नजर आएगा। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि 20 मिनट के प्रयोग को करने के बाद इन बच्चों की बौद्धिक क्षमता और भावनात्मक विकास में अवश्य ही निखार आएगा।"

अणुविभा अध्यक्ष ने कहा कि आज अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति समारोह का द्वितीय दिवस है। हम चाहते हैं कि पूज्य प्रवर आपके नेतृत्व में हम जितने भी अणुव्रत के सिपाही हैं, आपका मार्गदर्शन हमें निरंतर मिलता रहे।कार्यसमिति के सदस्य चाहते हैं कि आपकी सन्निधि का उन्हें ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले जिससे अणुव्रत की बात को जन-जन तक पहुँचाने के लिए संबल प्राप्त हो सके।

अणुव्रत अनुशास्ता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए अणुविभा अध्यक्ष ने कहा, "आपने जो आशीर्वाद इस अणुव्रत आंदोलन को दिया है, ऐसा आशीर्वाद निरंतर बना रहे। मुनिश्री शासनश्री सुखलालजी स्वामी, शासनश्री मुनिश्री राकेश कुमार जी स्वामी जिन्होंने अणुव्रत को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दिया, आज हम उनके प्रति श्रद्धा के भाव अर्पण करते हैं। आज भी चारित्रात्माओं का हमें सतत मार्गदर्शन मिलता है। उनके प्रति भी कृतज्ञता।" उन्होंने अणुव्रत के कार्यक्रमों में सहयोग हेतु अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के अध्यक्ष रमेश डागा के प्रति भी आभार ज्ञापित किया।

अणुविभा अध्यक्ष ने आगे कहा - "अणुव्रत कार्यकर्ताओं का एक बहुत बड़ा परिवार है। हम सब मिलकर पूज्य प्रवर की दृष्टि के अनुरूप सभी कार्य करेंगे तो कोई कमी रहने वाली नहीं है। आज हमारे अनेक कार्यकर्ताओं ने एक सुंदर नाटिका प्रस्तुत की। इसके माध्यम से देश में व्याप्त समस्याओं का चित्रण करने के साथ ही अणुव्रत के माध्यम से उनका समाधान भी बताया गया।"

अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति समारोह के देशभर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की संयोजिका रचना कोठारी के निदेशन में तैयार नाटिका "अणुव्रत की बात" का मंचन कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। अणुव्रत के माध्यम से हिंसा पर अहिंसा की विजय के इस रोचक संवाद को स्कूल के बच्चों ने काफी पसन्द किया। नाटिका में अणुविभा टीम और अणुव्रत समितियों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सम्पूर्ति समारोह के सह-संयोजक राजेश मेहता ने आभार ज्ञापित किया।

यादगार झलकियाँ

अणुव्रत कार्यकर्ताओं ने किया नाटिका का मंचन

द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में अणुव्रत कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत नाटिका आकर्षण का केन्द्र बनी रही। अणुविभा व अणुव्रत समिति से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा मंचित इस नाटिका में यह दर्शाया गया था कि किस प्रकार सामाजिक बुराइयों का अन्त करने के लिए अणुव्रत, जीवन विज्ञान व प्रेक्षाध्यान के माध्यम से आचार्य श्री तुलसी, आचार्य श्री महाप्रज्ञ व आचार्य श्री महाश्रमण द्वारा सामाजिक क्रांति का नेतृत्व किया गया। सम्पूर्ति समारोह समिति स्तरीय संयोजक रचना कोठारी ने इस नाटिका को तैयार किया और उनके साथ-साथ सुभद्रा लूणावत, साधना कोठारी, पायल चौरड़िया, चमन दुधोड़िया ने क्रमशः हिंसा, भारतमाता, अनैतिकता व अणुव्रत की भूमिका निभायी। लगभग 40 कार्यकर्ताओं ने बुराइयों पर अच्छाइयों की जीत के इस रोचक संवाद में भाग लिया। सुमन चपलोत आदि का इस नाटक की तैयारी में सहयोग रहा।

तृतीय दिवस
12 मार्च 2024 लोणेर
(रायगढ़-महाराष्ट्र)

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण के पावन सान्निध्य में तीन दिवसीय अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति समारोह के अंतिम दिवस का कार्यक्रम 12 मार्च को महाराष्ट्र के लोणेर ग्राम में आयोजित हुआ। अणुव्रत अनुशास्ता ने अपने श्रीमुख से अणुव्रत गीत के संगान से कार्यक्रम की शुरुआत की। अणुव्रत अनुशास्ता ने पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा - "प्राणों का प्रतिपात नहीं करना, हिंसा नहीं करना, यह अहिंसा धर्म है। साधु का अहिंसा धर्म महाव्रत के रूप में होता है जबकि गृहस्थ के लिए वह अणुव्रत के रूप में होता है। अणुव्रत हमारे यहाँ बहुत प्राचीन काल से है और मानो भगवान महावीर और जैन शासन की परंपरा से जुड़ा हुआ है। परम पूज्य आचार्य भिक्षु ने भी अपना एक चिंतन-दर्शन दिया। आचार्य प्रवर ने कहा कि परम पूजनीय आचार्य श्री तुलसी ने जो अणुव्रत को इतना व्यापक रूप दिया कि जैन-अजैन कोई भी स्वीकार कर सके, ऐसा जो प्रारूप सामने आया, संभव है उसमें आचार्य भिक्षु का का वह चिंतन भी उनकी दृष्टि में रहा ही होगा, ऐसा मेरा अनुमान है। उनके पास एक सैद्धांतिक आधार था कि अणुव्रत को व्यापक भी बनाया जा सकता है, ऐसी मेरी संभावना है।"

अणुव्रत प्रवर्तक का श्रद्धा-स्मरण करते हुए आचार्यप्रवर ने कहा - "गुरुदेव तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन की स्थापना या प्रारंभ फाल्गुन शुक्ल दूज को सरदारशहर में किया। फाल्गुन शुक्ल दूज - आज परम पूज्य कालूगणी का जन्म दिवस भी है और तीज भी है, दोनों है। तो कोई मुहूर्त की बात करें तो अनपूछा मुहूरत। आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन चलाया और युवा अवस्था में उन्होंने इसे शुरू किया। दिल्ली में और जगह-जगह कार्यक्रम आदि हुए। अणुव्रत के अधिवेशन होते। पुराने-पुराने लोग थे तो हमारे पुराने चारित्रात्माओं में भी, कितनों ने इसके लिए अपने श्रम का नियोजन किया। गुरुदेव तुलसी की तो... खैर उनकी तो बात क्या करें, उन्हें तो अणुव्रत आंदोलन का जनक मान लें, और भी चारित्रात्माओं का भी योगदान रहा। गृहस्थ कार्यकर्ताओं का कितना योगदान रहा। समणवृंद का भी धर्म प्रचार में योगदान रहता है। गृहस्थों ने कितनों ने अपना समय, श्रम, शक्ति का नियोजन किया है और आज भी युवावस्था के व्यक्ति यानी अवृद्धावस्था के लोग भी दिख रहे हैं और यह 75वां वर्ष अणुव्रत का अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष के रूप में आयोजित हुआ। आज एक वर्ष यानी कालूगणी की जन्म दिवस की दूज, उस समय भी सन् 2023 में आज पुनः वह कालूगणी का जन्म दिवस फाल्गुन शुक्ल दूज का दिन और अणुव्रत का भी जन्म दिवस है। कितनी भी वर्षा हो, अणुव्रत का छाता आदमी की सुरक्षा कर सकता है। कार्य होता है तो कठिनाइयां भी सामने आ सकती हैं। कितने कार्यकर्ताओं ने श्रम किया होगा। पारिवारिक समस्या आ गयी, स्वास्थ्य की समस्या आ गयी, ठीक है, समस्याएं तो जिंदगी है, आ सकती है। कचरा है, काँटे हैं, तो बुहारने का प्रयास करें। जिंदगी में समस्याओं के काँटे कई बार आ सकते हैं। मजबूत जूते पहन लें या बुहारी से बुहारते जाएं, कदम आगे रखने का प्रयास करते रहें।"

अणुव्रत अनुशास्ता ने कहा कि "अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी है, अखिल भारतीय अणुव्रत न्यास भी है, अध्यात्म साधना केंद्र है, उसका भी अणुव्रत भवन गतिविधियों का एक अच्छा एक सेंटर है। गुरुदेव तुलसी ने वहाँ चतुर्मास किया था, मुझे भी साथ में सेवा में रहने का मौका मिला। अध्यात्म साधना केन्द्र में तो गुरुदेव तुलसी ने चतुर्मास किया, आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने किया था और हमने भी किया था। तो अणुव्रत न्यास भी जितना संभव हो सके, अणुव्रत की गतिविधि में योगदान देता रहे। वैसे मुख्य कार्यकारी संस्था अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी है। यह एक बड़ी संस्था है, अनेक गतिविधियों वाली संस्था है, जिसके पास एक टीम है, एक नेटवर्क है। अणुव्रत का कार्य अपने ढंग से आगे बढ़ता रहे, ऐसा प्रयास अणुव्रत के कार्यकर्ता करते रहें। आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी का भी अनुशास्तृत्व अणुव्रत को प्राप्त हुआ। उन्होंने अहिंसा यात्रा की। उन्होंने एक बार फरमाया था, संभवतः गुरुदेव तुलसी के महाप्रयाण के बाद कि 5 वर्षों में देखना, अणुव्रत कितना आगे बढ़ जाएगा, कहाँ से कहाँ पहुँच जाएगा।"

यादगार झलकियाँ

अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति की घोषणा

12 मार्च को सम्पूर्ति समारोह का अन्तिम चरण लोणेर में आयोजित था। ठीक 11:01 मिनट पर अणुव्रत अनुशास्ता ने वर्ष भर चले अणुव्रत अमृत महोत्सव की सम्पूर्ति की घोषणा की। इस अवसर पर आचार्य प्रवर ने खड़े होकर अणुव्रत गीत का संगान किया। आपश्री ने कार्यक्रम की शुरुआत में गीत के तीन पद्य और अन्त में दो पद्य के साथ कार्यक्रम का समापन कर सम्पूर्ति समारोह की सम्पन्नता को एक अभिनव रूप प्रदान कर दिया। आचार्य प्रवर ने इस अवसर पर 25 वर्ष पूर्व अणुव्रत के स्वर्ण जयंती समारोह में दिए गए अपने वक्तव्य को याद किया जिसमें उन्होंने अणुव्रत के शताब्दी वर्ष के संदर्भ में अणुव्रत कार्यकर्ताओं को विशिष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया था। आगामी 25 वर्षों में आपका पथदर्शन निश्चय ही अणुव्रत आंदोलन को नया विस्तार और नई ऊँचाइयाँ प्रदान करेगा।

अणुव्रत के अमृत वर्ष और 25 वर्ष बाद शताब्दी वर्ष के सन्दर्भ में अणुव्रत अनुशास्ता ने कहा - "यह जो अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष है, वह संपन्नता के निकट है। यह 75वें वर्ष की संपन्नता की बात है, आगे शताब्दी की भी बात है। अणुव्रत के 50 वर्ष का संदर्भ था। आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी उस समय दिल्ली में विराजमान थे। दिल्ली में अध्यात्म साधना केंद्र के करीब सामने एक स्थान है, वहाँ पर प्रोग्राम हुआ था 50 वर्ष के संदर्भ में। उस समय मेरा भी भाषण हुआ था। उस समय मैंने शताब्दी समारोह के संदर्भ में भी भाषण दिया था कि अणुव्रत के 100 वर्ष होंगे तो उस समय क्या स्थिति हो सकेगी, क्या चिंतन होगा, वह एक आइडिया मैंने अपने भाषण में दिया था। तो शताब्दी की धीरे-धीरे तैयारी की बात है तो संभव हो तो मेरा 1999 का वह भाषण सुन लिया जाये। उस समय आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी विराजमान थे। तब मैंने थोड़ा चिंतन दिया था कि एक प्रवक्ता साधु क्या बोलेगा? ऐसी कुछ बातें मैंने कल्पना से की थीं। तो कल्पना की उन बातों में कोई सार मिलता हो तो उसको भी शताब्दी के संदर्भ में ग्रहण करके काम में लिया जा सकता है।"

जैसे ही घड़ी में 11 बज कर 1 मिनट हुए, 'संयमः खलु जीवनम्' के उद्घोष के साथ अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण ने कहा, "अणुव्रत अमृत महोत्सव जो एक साल पहले शुरू हुआ था, उसके साथ हमने अणुव्रत यात्रा की बात भी की थी तो आज अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष की संपन्नता और अणुव्रत यात्रा की संपन्नता की मैं यथायोग्य घोषणा कर रहा हूँ।"

साध्वीप्रमुखा श्री विश्रुतविभा ने अणुव्रत कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा - परमपूज्य आचार्यवर ने जब से अणुव्रत वर्ष और अणुव्रत यात्रा की घोषणा की है, तब से ऐसा लगता है कि अणुव्रत की गूँज चारों ओर हो रही है और गूँज तब होती है जब कोई प्रासंगिक होता है। अणुव्रत वर्तमान में भी प्रासंगिक है। वर्तमान में भी इसकी उपयोगिता है, अतीत में भी थी और भविष्य में भी रहेगी। अणुव्रत के नियम तो छोटे-छोटे हैं, लेकिन यदि एक व्यक्ति इन नियमों को अपने जीवन में उतारता है तो वह एक अच्छा इंसान बन सकता है।

अणुव्रत की प्रासंगिकता के संदर्भ में एक प्रसंग महत्वपूर्ण है। जब पूज्य गुरुदेव तुलसी की शताब्दी वर्ष के बारे में परमपूज्य गुरुदेव ने घोषणा की थी तब मियामी में फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी में समणी जी की इच्छा थी कि गुरुदेव के व्यक्तित्व व कर्तृत्व के संदर्भ में एक कार्यक्रम की आयोजना की जाये। जब वहाँ के डीन और डायरेक्टर से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि हम किसी धर्मगुरु के बारे में यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम नहीं रख सकते। जब उन्हें बताया गया कि ये कोई धर्मगुरु नहीं हैं, इन्होंने तो मानवता के उत्थान के लिए कार्य किया है। और जब अणुव्रत के बारे में उन्हें बताया गया तो उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन की स्वीकृति दे दी। वहाँ दो दिन की कॉन्फ्रेंस हुई। कॉन्फ्रेंस से पूर्व वहाँ के विद्यार्थियों को अणुव्रत के ग्यारह नियमों के बारे में अच्छी तरह से समझा दिया गया। विद्यार्थियों ने यह अनुभव किया कि अणुव्रत तो वास्तव में अमेरिका के लिए जरूरी है क्योंकि यहाँ रेसिज्म, गोरे-काले को लेकर समस्याएं तथा पर्यावरण की समस्या है। उन विद्यार्थियों ने अणुव्रत पर एक प्रश्नावली तैयार कर प्रतियोगिता का आयोजन किया। अणुव्रत पर 50 पोस्टर बनाये। अनेक विद्वानों ने उस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया और सभी ने महसूस किया कि अमेरिका में भी अणुव्रत की प्रासंगिकता है। जो प्रासंगिक है, उसका भविष्य भी अच्छा होता है।

मैं आज इस अवसर पर यही मंगलकामना करती हूँ कि जैसे परमपूज्य आचार्यवर की सन्निधि में आपने अणुव्रत की 75 वर्षों की सम्पूर्ति पर अमृत महोत्सव मनाया, वैसे ही अब आगे 25 वर्ष बाद जब अणुव्रत की शताब्दी पूरी हो तो वह कार्यक्रम भी आचार्यवर के सान्निध्य में मनाया जाये और उसमें आपको ऐसा अनुभव हो कि 75 वर्ष के बाद में ये जो 25 वर्ष की हमारी यात्रा है, वह और ज्यादा गरिमापूर्ण बन गयी है, ज्यादा महत्वपूर्ण बन गयी है और अणुव्रत जन-जन तक पहुँच रहा है।

इस अवसर पर मुख्य मुनिश्री महावीर कुमार ने कहा - "आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत का दर्शन दिया, मानवता का दर्शन दिया जिसके माध्यम से व्यक्ति के चरित्र का उत्थान हो सकता है, नैतिकता की प्रतिष्ठापना हो सकती है और अहिंसक विश्व का निर्माण किया जा सकता

यादगार झलकियाँ

6 घण्टे चली कार्यसमिति बैठक

11 मार्च को अणुविभा कार्यसमिति की बैठक आयोजित थी। बेहुर जैसे छोटे से गाँव में भी सुदूर स्थानों से बड़ी संख्या में सदस्य पहुंचे थे। अत्यंत ही सौहार्दपूर्ण माहौल में ऊर्जा से भरे कार्यकर्ताओं ने लगभग 6 घण्टे तक विचार-मंथन किया। अणुव्रत अमृत वर्ष के दौरान हुए कार्यक्रमों पर चर्चा की और भविष्य में अणुव्रत आंदोलन को इसी गति के साथ विकासशील बनाए रखने पर चिंतन किया। अध्यक्ष अविनाश नाहर, महामंत्री भीखम सुराणा व अमृत महोत्सव संयोजक संचय जैन ने विस्तार से अपनी बात रखी। प्रकल्प संयोजकों ने अपनी गति-प्रगति की प्रस्तुति दी। उल्लेखनीय है कि बैठक में अणुव्रत अमृत महोत्सव कोर कमिटी के सभी 9 सदस्य उपस्थित थे। सभी का यह एकमत विचार था कि पूरे अमृत वर्ष में कार्यकर्ताओं ने जिस उत्साह व समर्पण भाव से कार्य किया है वह अतुलनीय है, प्रशंसनीय है।

है। अणुव्रत आंदोलन आज अपने 75 वर्ष पूरे कर रहा है और उसे तीन-तीन युगप्रधान आचार्यों का नेतृत्व प्राप्त हुआ है, हो रहा है। परम पूज्य गुरुदेव तुलसी ने अणुव्रत को जन-जन के बीच में फैलाया, उनके साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं की फौज लगी और धर्मसंघ के साधु-साध्वियों ने भी अपना योगदान दिया। उनके बाद परमपूज्य आचार्य महाप्रज्ञ जी अणुव्रत अनुशास्ता के रूप में विराजमान हुए। अणुव्रत आंदोलन में प्रारंभ से ही वे गुरुदेव तुलसी के अभिन्न सहयोगी थे।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा प्रवर्तित जीवन विज्ञान और प्रेक्षाध्यान से अणुव्रत और सबल बन गया। परम पूज्य गुरुदेव ने अहिंसा यात्रा की और यात्रा के उद्देश्य - अहिंसक चेतना का जागरण और नैतिक मूल्यों का विकास - के माध्यम से मानो अणुव्रत को ही प्रतिष्ठापित किया था। परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी ने मानो अणुव्रत का एक बहुत बड़ा गौरव बढ़ा दिया। परम पूज्य गुरुदेव ने अपनी दूरदर्शिता पूर्ण सोच से अणुव्रत की जितनी संस्थाएं थीं, उनका एकीकरण करके उनके सारे आयामों को एक ही संस्था अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के बैनर तले लाकर मानो इस संस्था को एक नया प्राण दे दिया और कार्यकर्ताओं में एक नये उत्साह का संचार हो गया। इस 75वें वर्ष में परम पूज्य गुरुदेव ने अणुव्रत यात्रा की घोषणा करके मानो अणुव्रत के महत्व को और वृद्धिंगत कर दिया।

इस वर्ष में अणुव्रत यात्रा के दौरान परम पूज्य गुरुदेव ने लोगों को नैतिकता, सद्भावना तथा नशामुक्ति के संकल्प दिलाये। लगभग पाँच लाख लोगों ने संकल्प स्वीकार किये। इसके साथ ही अणुव्रत को और गति देने वाले कार्यक्रम शुरू हुए हैं। अणुव्रत आंदोलन परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण के नेतृत्व में नित नये सोपान चढ़ता रहे, यह मंगलकामना करता हूँ।"

साध्वीवर्या श्री सम्बुद्धयशा ने अपने सम्बोधन में कहा -जैन आगमों में तीन प्रकार के व्यक्तित्व की चर्चा आती है - आत्मानुकम्पी, परानुकम्पी और उभयानुकम्पी। परमपूज्य गुरुदेव श्री तुलसी उभयानुकम्पी व्यक्तियों की धुरी थे। उभयानुकम्पी व्यक्ति अपने निर्माण के साथ-साथ दूसरों के निर्माण और उत्थान का भी चिंतन करता है। आचार्य श्री तुलसी ने अपने जीवन में जो अमूल्य समय और अमाप्य शक्ति का नियोजन अनेक-अनेक व्यक्तियों के निर्माण में किया तथा अनेक ऐसे अवदान दिये जिनके माध्यम से मानव का उत्थान हो सके। इन्हीं अवदानों में एक है अणुव्रत का अवदान। अणुव्रत अर्थात् छोटे-छोटे नियम। व्रत हमारे जीवन में बहुत मूल्यवान हैं। व्रत हमारे जीवन का सुरक्षा कवच हैं। जैसे बिना छत और बिना दरवाजे का बड़ा मकान भी सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता, धूप-आँधी-वर्षा से सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकता, वैसे ही व्रत के बिना हमारा जीवन सुरक्षित नहीं है क्योंकि जहाँ व्रत नहीं होते हैं, वहाँ बेईमानी, भ्रष्टाचार, अनाचार आदि दुष्प्रवृत्तियां बढ़ती जाती हैं तथा समाज और देश रुग्ण, अस्वस्थ और कमजोर बनता जाता है। इसीलिए जरूरत है अणुव्रत की।

अणुव्रत की आचार संहिता मानव में मानवीयता के गुणों को विकसित करती है। जिस व्यक्ति के जीवन में अणुव्रत आ गये, इसका मतलब उसका जीवन नैतिकता से ओतप्रोत हो जाता है। परम पूज्य आचार्य प्रवर यह प्रेरणा देते हैं कि जो व्यक्ति अपने जीवन में नैतिकता का आचरण करता है, वह केवल धर्मस्थानों में ही नैतिकता को न अपनाये, वरन् कर्मस्थलों पर भी नैतिकता का आचरण करे। अपने प्रतिष्ठानों में भी नैतिकता की देवी को विराजित करे। अणुव्रत आंदोलन का एक वर्ष तक जो 75वां वर्ष मनाया गया, उसमें ऐसा लगता है कि यह अमृत महोत्सव हर व्यक्ति को अमृत प्रदान कर रहा था क्योंकि अणुव्रत से जुड़े व्यक्तियों ने एक वर्ष में जो कार्य किया, सेमिनार, कॉन्फ्रेंस आदि जहाँ-जहाँ भी कार्यक्रम किये, उससे ऐसा लगता है कि अणुव्रत की चेतना जो सुप्त हो रही थी, उसे पुनः जागृत किया गया है। परम पूज्य आचार्यवर ने एक वर्ष का जो कार्यक्रम अणुव्रत कार्यकर्ताओं को दिया, वास्तव में कार्यकर्ताओं ने इतना प्रयत्न किया, निष्ठापूर्वक कार्य किया कि उसकी निष्पत्ति भी आयी है। अनेक लोग अणुव्रत से जुड़े हैं, अनेक व्यक्तियों ने अणुव्रत के नियमों को स्वीकार किया है। मैं मंगलकामना

यादगार झलकियाँ

चेहरों पर सुकून लिये विदा हुए कार्यकर्ता

अणुव्रत अमृत महोत्सव की सम्पन्नता के पश्चात् अपने कृतज्ञ भाव व्यक्त करने व आशीर्वाद प्राप्त करने अपराह्न एक बजे सभी कार्यकर्ता गुरु चरणों में प्रस्तुत हुए। अध्यक्ष श्री अविनाश नाहर ने इस सम्पूर्ण आयोजन की सफलता में अणुव्रत अनुशास्ता के आशीर्वाद व मार्गदर्शन को योगभूत बताया और सम्पूर्ण अणुविभा परिवार की ओर से कृतज्ञता व्यक्त की। प्रबंध न्यासी श्री तेजकरण सुराणा ने कहा कि अमृत महोत्सव के वर्ष भर चले आयोजनों ने समाज में अणुव्रत के प्रति एक विशेष लहर पैदा कर दी है। यह आचार्य प्रवर द्वारा अणुव्रत को दी गयी प्राथमिकता से ही सम्भव हो सका है। अणुव्रत अमृत महोत्सव के संयोजक श्री संचय जैन ने अपनी एक कविता "अन्तर्मन के तम के उभर के पथ दिखला दो।" के माध्यम से पथ दर्शन की कामना की। इसका प्रत्युत्तर करते हुए आचार्य प्रवर ने कार्यकर्ताओं को जीवन का अमूल्य पाथेय प्रदान किया। आपने कहा कि जीवन में तीन बातों का हमेशा सन्तोष रखना चाहिए - 1. सदार-सन्तोष 2. खाद्य सन्तोष 3. धन सन्तोष। इसी के साथ तीन बातों में कभी सन्तोष नहीं रखना चाहिए- 1. ज्ञान 2. जप 3. दान। लगभग 20-25 मिनट तक अणुव्रत अनुशास्ता का पथ दर्शन प्राप्त कर अणुव्रत कार्यकर्ता विदा हुए। सभी के चेहरों पर सुकून व तृप्तता के भाव स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहे थे।

॥ जय महावीर ॥
तीर्थंकर समवसरण
अणुव्रत अमृत महोत्सव
सम्पूर्ति समारोह
आचार्य श्री महाश्रमण

THE CONSTITUTION OF INDIA
PREAMBLE

करती हूँ कि अणुव्रत आचार संहिता हर मानव अपनाये और समाज, देश का कल्याण हो, उत्थान हो।

अणुविभा के प्रबंध न्यासी तेजकरण सुराणा ने कुंती और श्रीकृष्ण के संवाद के माध्यम से दृष्टि, मन, वाणी और संकल्प के संयम को रेखांकित करते हुए इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने अमृत महोत्सव वर्ष के दौरान व्यक्तिगत रूप से संयम का व्रत अपनाये जाने का भी उल्लेख किया।

अणुविभा अध्यक्ष अविनाश नाहर ने कहा - "अणुविभा कार्यसमिति की बैठक कल करीब 6 घंटे तक चली। बैठक में सभी का एक अभिमत था कि अणुव्रत अनुशास्ता ने इस संगठन को कितनी शक्ति प्रदान की है, कितना समय बख्शाया है, कितनी श्रम बूँदों का सिंचन लोगों के बीच में किया है। गुरुदेव, अमृत महोत्सव की इतनी बड़ी योजना आपके समक्ष आयी, उस योजना को कैसे क्रियान्वित करना है, इसका दिशा-निर्देश आपश्री ने स्वयं ने दिया। आपने एक-एक प्रोजेक्ट के ऊपर हमें मार्गदर्शित किया और जहाँ गुरुओं की दृष्टि होती है, गुरुओं का मार्गदर्शन होता है तो कहीं कोई रिक्तता रहे, ऐसा लक्ष्य रह ही नहीं सकता।

आज मैं आचार्य श्री कालूगणी को उनके जन्म दिवस पर स्मरण कर रहा हूँ। इसी फुलड़िया दूज के दिन अणुव्रत आंदोलन का शुभारंभ हुआ था। हम हर साल एक मार्च को स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित करते हैं, लेकिन आपश्री ने निर्णय लिया कि तिथि के अनुरूप ही हमें इसका शुभारंभ करना है और तिथि के अनुरूप ही इसका समापन करना है। तो आज भी फुलड़िया दूज का ही एक अवसर है। पूज्यश्री कालूगणी की हमें शक्ति मिली है, आशीर्वाद मिला है कि यह जो अभियान चला है, उसे तुम निर्बाध रूप से आगे बढ़ाते जाओ। तुम्हारे सामने चाहे कितनी भी समस्या आये, तुम्हें घबराने की जरूरत नहीं है। हम उन्हें तो साक्षात नहीं देख पा रहे थे, पर आपके माध्यम से वह शक्ति हमारे पास निश्चित रूप से आ रही थी। इस कार्यक्रम की जो योजना हुई, उसमें लगभग 136 समितियों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। साथ ही साथ लगभग 61 अणुव्रत मंचों ने इसमें अपना योगदान दिया और लगभग 51 प्रकल्प इसके थे, वे निरंतर गतिमान रहे। साथ ही साथ 10000 से भी ज्यादा कार्यकर्ताओं-व्यक्तियों ने अपना तन-मन-धन इस योजना के साथ में नियोजित किया और इसकी अवधि जो रही लगभग 386 दिनों की अवधि रही। और जो जन सहभागिता थी, वह एक करोड़ से भी ज्यादा लोगों की थी। आपश्री की जब अणुव्रत यात्रा चल रही थी, तो कितना जनसैलाब आपके सामने आता था और आप उन्हें किस तरह से मार्गदर्शित करते थे, यह हमने स्वयं ने और मेरे जैसे अनेक कार्यकर्ताओं ने अनुभव किया है।"

श्री नाहर ने कहा - "गुरुदेव, मेरे साथी भाई राकेश और शंकर के लिए जितना साधुवाद प्रकट करूं, उतना ही कम है। इन्होंने इस आंदोलन को आगे बढ़ाने में अपने श्रम का नियोजन किया है। भाई संचयजी के रूप में मुझे एक ऐसा अनन्य साथी मिला जिसकी मैं प्रशंसा करूं तो मेरे लिए प्रश्न चिह्न होगा कि मैं किस व्यक्ति की प्रशंसा कर रहा हूँ। यह व्यक्ति प्रशंसा का मोहताज नहीं है, लेकिन जो भी मेरे मन में बात आती थी, मैं उनके समक्ष रखता था और उसे क्रियान्वित करने में मेरे साथ में हमेशा जुड़े रहते थे। मैं एक और आदमी का नाम लेना चाहूँगा क्योंकि वे उस दिन वहाँ उपस्थित नहीं थे आदरणीय मूलचंद जी नाहर और एक यहाँ पर और व्यक्तित्व उपस्थित हैं भाई कैलाश बोराणा। इन दोनों ने जिस तरह से इस यात्रा के अंदर भी हमें सहयोग दिया है मैं निश्चित रूप से ऐसे अनेक कार्यकर्ताओं का बहुत-बहुत साधुवाद देता हूँ और आपसे यही विनती करता हूँ कि आप हम पर जो विश्वास कर रहे हैं, उसमें हमसे कोई भी कमी रही हो, त्रुटि रही हो तो हम सभी कार्यकर्ता अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर खमत खामणा करते हैं। हमें आप मार्गदर्शित करते रहें, हमारी जो भी कमियां हैं, उसे आप हमें बताते रहें तो हम उसमें निश्चित रूप से सुधार कर और अच्छा करने का प्रयास करेंगे। जन-जन में जो चेतना जगी है, उसे यूं ही आप बनाये रखें, ऐसी अनुकंपा आप हम पर बरसाते रहें।"

कार्यक्रम का संचालन करते हुए अणुव्रत अमृत महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक संचय जैन ने कहा कि "अणुव्रत अमृत महोत्सव अपनी वर्षपर्यंत आयोजना के साथ आज अपनी सम्पूर्ति के चरण पर है। हीरक जयंती का यह अवसर निश्चय ही अणुव्रत आंदोलन के इतिहास की एक विशिष्ट घटना है। आचार्य श्री तुलसी ने जब अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन किया था और संयम का उद्घोष दिया था, उस दिन मंगलवार था और आज 75वां वर्ष पूरा हो रहा है और आज भी मंगलवार है। यह एक शुभ संयोग है। ऐसे में मैं निवेदन करूँगा कि अमृत महोत्सव का वर्ष तो संपन्न हो गया, लेकिन संयम दिवस अनवरत चलता रहे और हर सप्ताह मंगलवार को हम उस दिन को याद करते रहें जिस दिन आचार्य श्री तुलसी ने संयम का उद्घोष दिया था।"

उन्होंने कहा - "मैं संभवतः 1988 में राजसमंद आया था माँ-पिताजी के साथ रहने और उसके बाद लगातार अणुविभा से कहीं न कहीं जुड़ाव बना रहा। अणुविभा में जब भी मीटिंग होती थी, इतने अच्छे माहौल में होती थी। एकीकरण के बाद गुरुदेव मुझे लगा कि अब तो इसका स्वरूप एकदम बदल गया है, पता नहीं अब क्या स्वरूप रहेगा, कितने लोग, किस तरह के लोग जुड़ेंगे लेकिन मैं बहुत गौरव के साथ कहता हूँ गुरुदेव कि हर मीटिंग में जो सौहार्द, जो प्रेम और जो माहौल रहता है, वह इसकी सबसे बड़ी ताकत है और यह आपके आशीर्वाद का ही सुफल है। यह क्रम बना रहे, यदि माहौल अच्छा रहे अणुविभा बड़े से बड़े काम करने में सक्षम रहेगी।"

अणुविभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री प्रताप दुगड़ ने सम्पूर्ण अणुव्रत परिवार की तरफ से अणुव्रत अनुशास्ता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की और देशभर से समागत अणुव्रत कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति समारोह के संयोजक श्री उत्तमचंद पगारिया, सह संयोजक श्री लादूलाल गाँधी, श्री राजेश मेहता व श्री महेन्द्र मारलेचा आयोजन की सफलता में तो योगभूत बने ही, आर्थिक सहयोग प्रदान कर अणुव्रत के प्रति अपनी निष्ठा का उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। सम्मान समारोह के संयोजक श्री मर्यादा कोठारी ने अणुव्रत कार्यकर्ताओं से व्यापक संपर्क साध इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल अंजाम तक पहुँचाया।

सम्पूर्ति समारोह में उपस्थित सम्मान प्राप्तकर्ताओं की सूची

अणुव्रत के पुरोधा
(इनके परिवारजनों ने सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह स्वीकार किया।)
स्व. छोगमल चोपड़ा
स्व. सुगनचंद आंचलिया
स्व. मोहन लाल जैन
स्व. जेठाभाई झवेरी
स्व. शुभकरण सुराणा
स्व. उत्तमचंद सेठिया
स्व. घीसूलाल नाहर
स्व. गौतमकुमार सेठिया
स्व. कुंदनमल सेठिया
स्व. कानराज सालेचा
स्व. मूलचंद सेठिया

अणुव्रत पुरस्कार
श्री शिवराज पाटिल

अणुव्रत प्रवक्ता
श्री गौतम कोठारी

अणुव्रत सेवी
श्री धर्मचंद जैन
श्री सुरेन्द्र जैन
श्री संचय जैन
श्री सम्पतमल नाहटा
श्री लक्ष्मीलाल गांधी
श्रीमती अलका सांखला
श्री कैलाश शर्मा
श्री भीखमचंद कोठारी 'भ्रमर'
श्री नारायण लाल बैरवा
श्री देवीलाल बैरवा
श्रीमती ललिता जोगड़
श्री अर्जुनलाल बाफना
श्री मीठालाल भोगर
श्री अर्जुनलाल मेड़तवाल
श्रीमती आशा नीलू टांक
श्री सुरेश कोठारी
श्री तनसुखलाल बैद
श्री भीखमचंद नखत
श्रीमती माला कातरेला
श्रीमती सुनिला एन. नाहर
श्रीमती निर्मला बैद

जीवन विज्ञान पुरस्कार
श्री अर्जुनसिंह सिंघवी
श्री राकेश खटेड़
श्री मूलचंद नाहर

जीवन विज्ञान सेवी
श्री देवीलाल कोठारी

अणुव्रत लेखक पुरस्कार
डॉ. कुसुम लुनिया
श्रीमती पुष्पा सिंघी

संस्था पदाधिकारी
श्री तेजकरण सुराणा
श्री अविनाश नाहर
श्री मर्यादा कुमार कोठारी
श्री भीखम सुराणा
श्री उत्तमचंद पगारिया
श्री सोहनलाल धाकड़
श्री राजेश सुराणा
श्री मदनमोहन चोरड़िया
श्री राकेश नौलखा

देशभर में मनाया गया अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति समारोह

अणुव्रत अमृत महोत्सव की सफल सम्पूर्ति पर देशभर में अणुव्रत समितियों और अणुव्रत मंचों द्वारा वैविध्यपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जब 10, 11 और 12 मार्च 2024 को अणुव्रत अनुशास्ता के सान्निध्य में अणुव्रत अमृत महोत्सव सम्पूर्ति समारोह मनाया जा रहा था, तब इन्हीं दिनों अणुव्रत कार्यकर्ता स्थानीय स्तर पर भी अणुव्रत के सन्देश को गुंजायमान कर रहे थे। अणुविभा की ओर से इस प्रकल्प संयोजकीय दायित्व चूरू, राजस्थान की रचना कोठारी निभा रही थीं।

यहाँ प्रस्तुत है विभिन्न समितियों और मंचों द्वारा आयोजित बहुरंगी कार्यक्रमों का गुलदस्ता, स्थान व आयोजित प्रकल्प की जानकारी के साथ -

1. भुज - अणुव्रत जीवनशैली
2. छापर - अणुव्रत लेखक मंच
3. इचलकरंजी - सदस्यता अभियान, संयम दिवस, अणुव्रत संगोष्ठी
4. मुंबई - व्याख्यानमाला, संयम दिवस व सदस्यता अभियान
5. नाथद्वारा - अणुव्रत व्याख्यानमाला
6. भिलाई/छत्तीसगढ़ - अणुव्रत संयम दिवस, अणुव्रत संकल्प शृंखला व अणुव्रत प्रदर्शनी
7. लाडनूं - चुनावशुद्धि अभियान, अणुव्रत संगोष्ठी
8. डालीगंज/कोलकाता - अणुव्रत जीवनशैली
9. बेंगलुरु - अणुव्रत जीवनशैली
10. बरपेटा - व्याख्यानमाला
11. खारुपेटिया - अणुव्रत जीवनशैली
12. फारबिसगंज - अणुव्रत वाहिनी, अणुव्रत जीवनशैली
13. मंडी गोविंदगढ़ - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
14. राजसमंद - अणुव्रत सदस्यता अभियान, व्याख्यानमाला व अणुव्रत जीवनशैली
15. भीलवाड़ा - अणुव्रत प्रदर्शनी, अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
16. औरंगाबाद/महाराष्ट्र- अणुव्रत संयम दिवस, अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम व चुनावशुद्धि अभियान
17. नोएडा - अणुव्रत काव्यधारा
18. गुवाहाटी - अणुव्रत प्रदर्शनी व महासंगान के बच्चों का सम्मान
19. पाली - अणुव्रत संकल्प यात्रा, चुनावशुद्धि अभियान, व्याख्यानमाला
20. दिल्ली - अणुव्रत आचार संहिता के 70 बोर्ड लगवाये
21. झनकावद - अणुव्रत व्याख्यानमाला व अणुव्रत जीवनशैली
22. जसोल - अणुव्रत सदस्यता अभियान
23. चिकमंगलूर - अणुव्रत जीवनशैली, संयम दिवस, नशामुक्ति अभियान
24. गाजियाबाद - अणुव्रत अमृत रैली, अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम, अणुव्रत प्रदर्शनी
25. सिलीगुड़ी - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
26. जींद - अणुव्रत व्याख्यानमाला
27. अंबिकापुर-छत्तीसगढ़ - चुनावशुद्धि अभियान, अणुव्रत जीवनशैली, अणुव्रत प्रदर्शनी
28. अजमेर - काव्यधारा के साथ अणुव्रत प्रदर्शनी
29. गंगाशहर - अणुव्रत काव्यधारा व अणुव्रत जीवनशैली
30. कोलकाता - अणुव्रत प्रदर्शनी, अणुव्रत सदस्यता अभियान व अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
31. श्रीडूंगरगढ़ - अणुव्रत जीवनशैली
32. नोखा - अणुव्रत जीवनशैली
33. बरपेटारोड - चुनावशुद्धि अभियान व अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
34. सरदारशहर - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
35. किशनगंज - अणुव्रत संकल्प शृंखला, अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम व सदस्यता अभियान
36. चूरू - अणुव्रत क्लब का गठन, चुनावशुद्धि अभियान, अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
37. काठमांडू/नेपाल - चुनावशुद्धि अभियान व अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
38. बारडोली - अणुव्रत संकल्प शृंखला
39. कोटा - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
40. अहमदाबाद - अणुव्रत व्याख्यानमाला
41. इस्लामपुर - व्याख्यानमाला व काव्यधारा
42. कटक - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
43. तेजपुर-असम - अणुव्रत संयम दिवस कार्यक्रम
44. वापी - अणुव्रत संयम दिवस कार्यक्रम

Play
MTL TiNkeRiNG

MAHATMA GANDHI GOVT. SCHOOL

ART & CRAFT

ANUVRAT SAMITY GUWAHATI

45. जयपुर - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
46. पुणे - अणुव्रत प्रदर्शनी
47. हिसार - चुनावशुद्धि अभियान
48. जगराओं - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
49. दिवेर - अणुव्रत संकल्प शृंखला व अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
50. हावड़ा - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
51. चेन्नई - व्याख्यानमाला
52. तिरुकलिक्कुड्राम - अणुव्रत व्याख्यानमाला
53. बालोतरा - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
54. जयगांव - अणुव्रत संयम दिवस कार्यक्रम
55. डाबरी - संयम दिवस कार्यक्रम
56. दिनहटा - अणुव्रत डिजिटल डिटॉक्स व अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
57. भिलाई - अणुव्रत प्रदर्शनी और अणुव्रत संकल्प शृंखला
58. आसींद - नशामुक्ति अभियान
59. भाटीखेड़ा - अणुव्रत संयम दिवस
60. दालखोला - अणुव्रत व्याख्यानमाला
61. रायपुर - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
62. लातूर - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
63. नगांव - अणुव्रत काव्यधारा
64. हैदराबाद - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
65. सिकंदराबाद - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
66. कालीदेवी - अणुव्रत संकल्प यात्रा
67. शाहपुरा - अणुव्रत काव्यधारा
68. जोधपुर - अणुव्रत काव्यधारा
69. धरान/नेपाल - अणुव्रत सदस्यता अभियान
70. प्रतापगढ़ समिति - चुनावशुद्धि अभियान
71. पीलीबंगा - अणुव्रत काव्यधारा
72. बाड़मेर - अणुव्रत काव्यधारा
73. बीकानेर - चुनावशुद्धि अभियान व संयम दिवस कार्यक्रम
74. बेंगलुरु - अणुव्रत डिजिटल डिटॉक्स व व्याख्यानमाला कार्यक्रम
75. तेजपुर - अणुव्रत काव्यधारा व संयम दिवस कार्यक्रम

अणुव्रत मंच

1. सादुलपुर - अणुव्रत रैली, अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
2. सवाई बड़ी सरदारशहर - अणुव्रत संयम दिवस कार्यक्रम
3. गंगापुर - अणुव्रत काव्यधारा, अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
4. टमकोर - अणुव्रत जीवनशैली कार्यक्रम
5. प्रतापगढ़ - चुनाव शुद्धि अभियान
6. ढांढण - सीकर - अणुव्रत संयम दिवस
7. बज्जू - चुनाव शुद्धि अभियान और अणुव्रत प्रदर्शनी
8. पीसांगन - चुनाव शुद्धि अभियान